चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 195 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 जनवरी 2025 बुधवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
9 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

भारतीय सेना, पुलिस, पैरा मिलिट्री के लिए ट्रेनिंग की नई योजना, युवा उत्सव का समापन

अब पार्थ व प्रेरक: युवाओं को रोजगार देने के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण पथ पर सरकार

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मप्र के युवाओं पर फोकस कर रही सरकार अब सेना, पुलिस और पैरा मिलिट्री की ट्रेनिंग भी देगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज राजधानी में पार्थ नाम की नई योजना की शुरुआत कर रहे हैं। पार्थ यानि स्कीम यानी, पुलिस आर्मी रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग एंड हुनर है। यादव आज टीटी स्टेडियम में चल रहे 28वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव में शामिल हो रहे हैं। आज इस उत्सव का समापन दिवस है। योजना में प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना, पुलिस, पैरा मिलिट्री आदि में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भर्ती पूर्व ट्रेनिंग दी जाएगी। खेल विभाग की संभाग स्तरीय अधोसंरचना में भी युवाओं को प्रशिक्षण मिल सकेगा।इसके अलावा सीएम स्क्क्ष्क्क यानि मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान का शुभारंभ कर रहे हैं। इसके तहत युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन विकसित भारत 2047 से जोड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने बताया, खेल विभाग ने प्रदेश के सभी युवाओं को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ने के लिए एमपीवायपी पोर्टल तैयार किया है। इसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, कॅरियर मार्गदर्शन और रोजगार के

अवसरों से जोड़ना है। यह प्लेटफॉर्म प्रदेश के सभी युवाओं के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जहां युवा अपनी प्रतिभा को निखारकर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकेंगे। ज्ञात हो कि टीटी नगर स्टेडियम में 6 जनवरी से युवा उत्सव चल रहा है। इसमें 7 विधा की प्रतियोगिता हुई है। अब राज्य स्तरीय युवा उत्सव के विजेता 10-12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा उत्सव में हिस्सा लेंगे। 12 जनवरी को चयनित टीम नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

ट्रेनिंग में ये बताया जाएगा

इन योजनाओं में युवाओं के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा, जो संभाग स्तरीय रहेगा। इसमें उन्हें शारीरिक दक्षता, लिखित परीक्षा (सामान्य ज्ञान, गणित, अंग्रेजी आदि) एवं व्यक्तित्व विकास के लिए एक्सपर्ट ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग सेंटर का संचालन संबंधित जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी करेंगे। इसके लिए ग्रामीण युवा समन्वयक और विभागीय कर्मचारियों का भी सहयोग लिया जाएगा। भर्ती पूर्व प्रशिक्षण की योजना स्ववित्त पोषित होगी। इसके लिए प्रशिक्षणार्थी से प्रतिमाह निर्धारित शुल्क लिया जाएगा। ट्रेंनिग देने वालों के लिये भी न्यूनतम अर्हता बीपीएड/बीपीई/एनआईएस डिप्लोमा एवं राज्य स्तर का एथेलेटिक खेल का खिलाड़ी होना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा (सामान्य ज्ञान, गणित, अंग्रेजी आदि) एवं व्यक्तित्व विकास के लिए विषय विशेषज्ञ सरकारी या प्राइवेट शैक्षणिक संस्थान में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी की सेवाएं पार्ट टाईम ली जाएगी।

भाजपा जिलाध्यक्षों पर पेंच उलझे, वीडी फाइल लेकर दिल्ली गए!

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मप्र भाजपा के जिलाध्यक्षों के नामों का ऐलान बुरी तरह उलझ गया है। इसकेचलते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद बीती रात दिल्ली रवाना हो गये हैं। दोनों को राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष ने दिल्ली बुलाया है। दरअसल पार्टी के बड़े नेताओं द्वारा आपस में इलाके बांटकर अपने चहेतों के नाम आगे करने से यह हालात बने हैं। वहीं यह भी माना जा रहा है कि इन स्थितियों में संघ की ओर से आए ज्यादातर नामों की उपेक्षा भी हो गई है। बताया जाता है कि सिंधिया और तोमर ने ग्वालियर चंबल में तो इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय, जबलपुर और सागर में वीडी, प्रहलाद सिंह और राकेश सिंह के समर्थकों का दबाव है। ज्यादातर ग्रामीण इलाकों वाले जिलों में संगठन की चली है, लेकिन महानगरीय और शहरी जिलों में सत्ता-संगठन के बड़े नेताओं में मतभेद हैं। इस कारण पार्टी कैडर में नीचे असंतोष भी पनप रहा है।

भोपाल समेत 4 बड़े जिलों के नाम होल्ड: सूत्रों की मानें तो भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के शहरी जिलाध्यक्षों के नाम होल्ड कर दिए गए हैं। वहीं ग्वालियर अंचल में सिंधिया खेमे और विंध्य में राजेंद्र शुक्ला के समर्थकों को तवज्जो दी है।

खदान में फंसे मजदूर, एक शव निकला

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो में 300 फीट गहरी कोयला खदान में फंसे 9 मजदूरों में एक का शव बाहर निकाल लिया गया।8 अभी भी फंसे है। रेस्क्यू में अब एयरफोर्स का एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर भी जुट गए हैं। बीती रात ऑपरेशन रोक दिया गया था। सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू हो गया है। भारतीय सेना और असम राइफल्स के गोताखोर और मेडिकल टीम के साथ इंजीनियर्स टास्क फोर्स भी मौजूद हैं। हादसा 6 जनवरी को हुआ था, जब मजदूर खदान में कोयला निकाल रहे थे। मजदूरों के रेस्क्यू के लिए सेना को लगाया गया है।

सलमान के घर पर अब बनी बुलेटप्रूफ दीवार

मुंबई। धमकियों का शिकार हो रहे अभिनेता सलमान खान के घर की दीवार अब बुलेट प्रूफ कर दी गई हैं। अप्रैल 2024 में सलमान के मुंबई स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में लॉरेंस गैंग के बदमाशों ने फायरिंग की थी। अब उनके फ्लैट की बालकनी और खिड़कियां बुलेट प्रूफ की गई हैं। हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। गत वर्ष से लॉरेंस बिश्नोई से धमकी मिलने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने सलमान को वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराई है। सलमान की सिक्योरिटी में हर समय 11 जवान रहते हैं। उनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां रहती हैं।

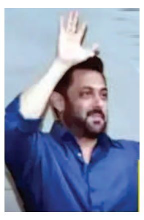

आज का कार्टून

- साभार : माधव जोशी

डेढ़ महीने तक डिजिटल अरेस्ट रहा बीएसएफ इंस्पेक्टर

71 लाख ठगे, पुलिस को कर्नाटक, औरंगाबाद में मिली लिंक

ग्वालियर, एजेंसी

बीएसएफ इंस्पेक्टर के साथ बड़ा डिजिटल अरेस्ट मामला आा है। अभी टेकनपुर में पदस्थ इंस्पेक्टर अबसार अहमद को एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया और उनसे 71.25 लाख रुपए ठग लिए गए। जब पुलिस की साइबर टीम ने डिटेल खंगाली तो पता लगा कि ठगी का 75 फीसदी पैसा कर्नाटक, औरंगाबाद व गु?गांव के चार बैंक के खातों में गया है। जिन बैंक खातों में ठगी के रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ है, उनमें से दो अकाउंट बंधन बैंक, एक खाता बैंक ऑफ सिंगापुर, बैंक बॉफ बड़ौदा में हैं। अब पुलिस पता लगा रही है कि यह बैंक खाते किसके नाम पर हैं। आशंका है कि यह अकाउंट फर्जी तरीके से खुलवाए गए होंगे। मुंबई साइबर व क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर बात कर रहे बदमाशों ने इंस्पेक्टर अहमद को बीच में एक

बार 94 हजार रुपए वापस लौटाए थे। इससे उनका भरोसा जम गया। बाद में वे खुद को मुबंई क्राइम ब्रांच का अफसर बताकर अहमद से ठगी करते रहे और उनके परिवार को अरेस्ट करने की धमकी देते रहे। जब एक बार डरते हुए अहमद ने यह बात अपने बेटे को फोन पर बताई तो उसने कहा कि आप डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए हैं। इसके बाद अहमद ने ग्वालियर एसएसपी धरमवीर सिंह के पास पहुंचकर शिकायत की। अहमद का पास यह पैसा अपना दिल्ली फ्लैट व जमीन बेचने पर आया था।

अब आप ने पीएम हाउस को बताया राजमहल, दिखाने की जिद पकड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

'शीशमहल' का जवाब, आप सांसदों ने दिया धरना

विधानसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही दिल्ली के सीएम हाउस को लेकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी में जुबानी जंग बढ गई है। भाजपा केजरीवाल पर 'शीशमहल' बनाने के आरोप लगा रही है। उसका कहना है कि सीएम हाउस से गोल्ड प्लेटेड टॉयलेट सीट गायब हैं। इसके जवाब में आज आम आदमी पार्टी सांसद खुद सीएम हाउस पहुंचे वहीं पीएम हाउस को दिखाने की भी मांग की है। दरअसल आज सुबह आप सांसद संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज छह फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम हाउस पहुंचे। यहां पुलिस ने नाकाबंदी कर दी थी लिहाजा आप नेताओं को सीएम आवास जाने से रोका गया तो दोनों नेता धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि दिल्ली का चुनाव सरकारी आवास के मुद्दे पर ही लड़ा जा रहा है तो अब हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर जाएंगे क्योंकि हमें

पता चला है कि 2700 करोड़ रुपये से पीएम आवास बना है, लिहाजा उसके दर्शन भी जनता को होने चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी झूठा प्रचार कर रही थी सीएम हाउस में मिनी बार, स्वीमिंग पूल और सोने का टॉयलेट है। लेकिन अब हमें अंदर भी नहीं जाने दे रहे तो हम लोग पीएम के राजमहल को देखने जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज बोले: किसानों का भला करो, फिर गाली दो या दाऊद कहो

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों से संवाद कार्यक्रम के तहत दिल्ली के क्सिानों की परेशानी सुनकर इन्हें हल करने का आश्वासन दिया और कहा कि इसी सिलसिले में उन्होंने दिल्ली की सीएम आतिशी को पत्र लिखा था। शिवराज ने कहा कि अब मुझे गाली दो या दाउद कहो, उससे मुझे कोई अंतर नहीं

पड़ता, लेकिन भारत सरकार की किसान कल्याण की योजनाएं तो दिल्ली के किसानों के लिए लागू करो, किसानों को योजनाओं का लाभ दो। शिवराज सिंह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री से अपील की कि बहन आतिशी, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में किसानों का अहित न करो। उन्होंने कहा कि दिल्ली के किसानों के लिए प्राकृतिक आपदा से बड़ी आप-दा है केजरीवाल।

मेट्रो एंकर

'कभी हार न मानने' वाले जज्बे ने कामयाबी दिलाई

एक डिलीवरी बॉय से सिविल जज बनने का सफर

पलक्कड, एजेंसी

केरल न्यायिक सेवा परीक्षा में दूसरा स्थान हासिल करने वाले यासीन शाह मोहम्मद का की कहानी इन दिनों चर्चा में है। वह अब सिविल जज बनने के योग्य हैं। मगर उपलब्धि किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है, जिसमें 'कभी हार न मानने' वाला जज्बा उनका जज्बा उन्हें डिलीवरी बॉय से मजिस्ट्रेट बनने के अद्भुत सफर तक ले गया। जब वह सिर्फ 3 साल के थे, तभी उनके पिता ने परिवार को छोड़ दिया। मुश्किल से 19 साल उम्र की उनकी मां ने यसीन व छोटे भाई और दादी की भी देखभाल की। यासीन का दिन 6 से 16 साल उम्र तक, कुछ इस तरह बीतता था- वे सुबह 4 बजे उठते और 10 किलोमीटर के इलाके में अखबार बांटते, 7 बजे से वे आस-पड़ोस में दूध पहुंचाते और फिर स्कूल

जाते। तब उनकी मां दूध बेचकर गुजारा करती थीं। यासीन ने पैसे कमाने के लिए दूध बेचने वाले, पत्थर तोड़ने वाले मजदूर, अखबार वाले, पेंटर, केटरिंग स्टाफ, जोमैटो फूड डिलीवरी बॉय और कई अन्य छोटे-मोटे काम किए। वह अपनी पुरानी किताबों से पढ़ाई करते, दूसरों के पुराने कपड़े पहनते और जो भी मिलता उसको खा लेते थे।

12वीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी

यसीन ने 12वीं के बाद शोरानूर के एक पॉलिटेक्निक कॉलेज में इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा कोर्स को लेकर एडमिशन लिया। अंतिम साल में उन्होंने राज्य विधि प्रवेश परीक्षा के बारे में सुना और उसके लिए तैयारी करने का फैसला किया। एक साल गुजरात में काम करने के बाद वे वापस आए और लोक प्रशासन में डिग्री कोर्स में दाखिला पा लिया। अब यासीन ने एर्नाकुलम के प्रतिष्ठित सरकारी लॉ कॉलेज में 46वीं रैंक के साथ एडमिशन प्राप्त किया। एर्नाकुलम में कॉलेज के बाद देर रात 2 बजे तक वे फूड डिलीवरी ऐप्स के लिए डिलीवरी बॉय से जुड़ा काम भी करते थे। जोमैटो के लिए डिलीवरी बॉय का काम भी कर चुके पलक्कड़ के यासीन ने कहा है कि बचपन में उन्हें शिक्षा का महत्व समझ नहीं आया था। आश्चर्य की बात थी कि एक गणित, अंग्रेजी और हिंदी में लगातार फेल होने वाला औसत से कम छात्र, जिसे 12वीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी, इतने लंबे समय तक पढ़ाई कर सका और आखिरकार जज बना।

युवा उत्सव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में 28वें राज्य के प्रतिष्ठित युवा उत्सव में छात्राओं और छात्र द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गई।

महाकुंभ के लिए मप्र से 40 ट्रेनें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इस बार प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए आसानी से पहुंचने हेतु रेलवे ने मध्य प्रदेश के यात्रियों की सुविधा के लिए 40 ट्रेन चलाने की तैयारी कर ली है। इनमें से अधिकांश ट्रेनों में अभी सीटें उपलब्ध हैं, जबकि कुछ ट्रेनों में वेटिंग भी है। ये ट्रेनें मध्य प्रदेश के 35 से ज्यादा स्टेशनों से गुजरेंगी। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मध्य प्रदेश से लाखों लोग प्रयागराज कुंभ में शामिल होंगे। अब तक घोषित 40 ट्रेनों में से 14 से ज्यादा ट्रेनों में स्लीपर, थर्ड एसी और सेकेंड एसी क्लास में सीटें उपलब्ध हैं। रेलवे ने 8 ट्रेनों को नैनी स्टेशन पर भी ठहराव दिया है। मसलन बलिया-विश्वामित्री महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन 17 को गुजरात के विश्वामित्री स्टेशन से सुबह 08ः35 बजे प्रस्थान करेगी और 19ः10 बजे संत हिरदाराम नगर, 08ः40 बजे विदिशा, 09ः10 बजे गंजबासौदा, 11ः05 बजे बीना और अन्य मार्गीय स्टेशनों पर रुकेगी। इसी तरह अगले दिन शाम 7ःबजे बलिया स्टेशन पहुंचेगी। जबकि बलिया-विश्वामित्री महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन 09ः55 बजे बीना, 10ः36 बजे गंजबासौदा, 11ः06 बजे विदिशा, 12ः15 बजे संत हिरदाराम नगर होते हुए तीसरे दिन सुबह 10ः05 बजे विश्वामित्री पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर लेगी हॉल्ट

वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, लालितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी), उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी, जौनपुर, औंरीहार और गाजीपुर सिटी स्टेशनों पर रूकेगी।

भोपाल से इंदौर-जबलपुर के बीच दौड़ेंगी 22 ई-बसें

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर आईएसबीटी बस स्टैंड से जल्द ही इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन के लिए इलेक्ट्रिक बस चलाई जाएंगी। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने 22 इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए रिक्वेस्ट फॉर टेंडर डॉक्युमेंट जारी कर दिया है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड संचालित इन बसों में यात्री सामान्य बसों की तरह किराया देखकर ध्वनि प्रदूषण रहित सफर की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार के बीच हुए एमओयू के बाद इलेक्ट्रिक बसों को चलाने की तैयारी पिछले 12 महीने से चल रही थी। विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव आने की वजह से यह प्रक्रिया लंबित हो गई थी। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने रिक्वेस्ट फॉर टेंडर डॉक्युमेंट जारी करने के बाद नगरीय विकास संचालनालय को प्रपोजल भेज दिया है। जल्द ही स्टेट लेवल डेवलपमेंट कमेटी में यह प्रस्ताव मंजूर किया जाएगा। इसके बाद टेंडर एवं ठेका कंपनियों से जुड़ी अंतिम शर्तों, नियम कानून के प्रारूप तैयार किए जा सकेंगे। ई बसों के लिए आरएफटी डॉक्यूमेंट जारी कर दिया है। शासन से बाकी मंजूरियों के लिए औपचारिकताएं की जा रही हैं।

शहर की अधूरी और पूर्व में घोषित सड़कों का जल्द होगा कायाकल्प

भोपाल विकास प्राधिकरण की तैयारी : मास्टर प्लान की 27 सड़कों से हटेगा अतिक्रमण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल विकास प्राधिकरण जल्द ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की सड़कों से अतिक्रमण हटाते हुए विकास कार्य करेगा। प्राधिकरण मास्टर प्लान की करीब 27 अधूरी सड़कों को बनाएगा। इन पर अतिक्रमण या फिर कब्जे होने के कारण इनका निर्माण कार्य रुका पड़ा है। शहर के तमाम इलाकों में अब आवासीय कॉलोनियों के साथ व्यवसायिक निर्माण हो गए हैं, लेकिन ये सड़कें अब भी अधूरी पड़ी हैं। ऐसे में ये रोड पूरी बनती है, तो शहर के सभी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की दिक्कत दूर होगी और शहर का विकास भी तेज होगा। राजधानी के हर क्षेत्र तक पहुंचने के लिए सुलभ और आसान रास्ते होंगे। आवास एवं पर्यावरण विकास विभाग इसके लिए काम कर रहा है। भोपाल विकास प्राधिकरण को मास्टर प्लान रोड के लिए अलग से बजट भी तय होगा। हालांकि इसके लिए उसे मार्च तक इंतजार करना होगा। अफसरों ने इस संबंध में अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

नई आवासीय योजनाओं पर असर

अभी बीडीए एयरपोर्ट से लेकर गांधीनगर, विद्यानगर समेत कटारा व अन्य क्षेत्रों में आवासीय प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। मंडीदीप से नर्मदापुरम रोड के बीच, कोलार से मंडीदीप के बीच समेत पांच नगर विकास योजनाएं हैं। इनमें नई मास्टरप्लान रोड के साथ 300 मीटर पर प्लॉट कटेंगे, लेकिन 1995 से चली आ रही मास्टर प्लान रोड पर फोकस से ये प्रभावित हो सकती है।

मिलेगी जनता को बड़ी राहत

शहर की अधूरी पड़ी मास्टरप्लान की सड़कों के बनने से हजारों रहवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। जिमेदार अफसरों को इस संबंध में तेजी से काम करना चाहिए। बीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि हमारा फोकस मास्टरप्लान रोड पर है और नए साल में इन्हें पूरी करेंगे। शासन की मंशा के अनुसार हम सड़कों का काम पूरा किया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

नए और पुराने शहर की कई सड़कों को बनाने की कवायद

शहर में कोलार से लेकर सूखी सेवनियां और अयोध्या बायपास से मंडीदीप की ओर, बैरागढ़ से पुराने शहर की ओर ले जाने वाली कई सड़कें हैं। इन्हें री-डिजाइन कर पूरा करना होगा। ये पूरी होती है तो शहर के चारों कोने आपस में जुड़ेगे। शहर में एक से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए समय सीमा आधी होगी, जिसका लाभ शहर विकास की तेज गति के तौर पर होगा। बता दें इसके साथ ही 27 रोड 1995 से प्रस्तावित है।

एचएमपीवी वायरसः निमोनिया जैसे नजर आते हैं लक्षण, स्वास्थ्य विभाग ने मॉनिटरिंग बढ़ाने के जारी किए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मलेशिया और चीन के बाद देश में तीन एचएमपीवी (ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस) के मामले सामने आने के बाद राजधानी में भी इस वायरस को लेकर चर्चा होती रही। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस वायरस के संबंध में मॉनिटरिंग बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश जारी किए। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि यह वायरस कोरोना जैसा खतरनाक नहीं है।

डरने की जरूरत नहीं

ठंड में जितने सामान्य फ्लू के मामले आते हैं, उनके करीब एक फीसदी मामले इस वायरस के होते हैं। यह वायरस भी फ्लू के वायरस की तरह हमेशा मौजूद रहता है। जो ठंड में ज्यादा एक्टिव हो जाता है। मरीज बिना लापरवाही किए समय से इलाज कराएं तो चार से पांच दिन में ठीक हो जाते हैं। हालांकि जिनको सीपीओडी, टीबी रोग, कोई गंभीर रोग या फेफड़े से संबंधित समस्या रही हो तो वे ज्यादा सावधानी रखें। डॉक्टरों का माना है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) सांस लेने की समस्या पैदा कर सकता है। यह वायरस विशेष रूप से 14 साल से छोटे बच्चों, कमजोर इम्यूनिटी वालों और वृद्ध लोगों को प्रभावित करता है। 21 साल पहले साल 2001 में यह वायरस नीदरलैंड में डिस्कवर हुआ। यह संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने या संक्रमित चीजों को छूने से फैलता है, यानी ठीक उसी तरह जिस तरह कोरोना फैलता है। इसकी जांच भी आरटीपीसीआर तकनीक से होती है। यह जांच एम्स भोपाल में करा सकते हैं।

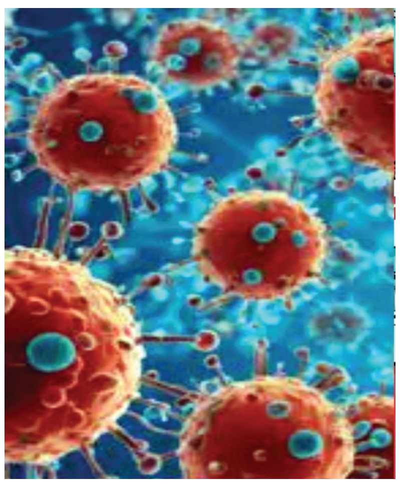

ये सावधानी बरतें

- मरीज को पर्याप्त पानी पिलाना चाहिए ताकि वह हाइड्रेटेड रहे।
- मरीज को पूरी तरह से आराम करना चाहिए ताकि उसका शरीर वायरस से लड़ने में सक्षम हो।
- दर्द और श्वसन समस्याओं के लिए दवाएं दी जा सकती हैं।
- गंभीर मामलों में, मरीज को ऑक्सीजन समर्थन की आवश्यकता हो सकती है।

शहर में निकाली जा रही है प्रभात फेरी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नाहरी माह के पूज्य झूलेलाल चालीहा साहिब व्रत के चलते दो दिसंबर से प्रभात फेरी निकाली जा रही है, जिसका समापन 10 जनवरी को होगा। बहिराणा साहिब एवं भंडारे का आयोजन जाएगा। ठकुर साई मनीषलाल (भरूचवारा) के आव्हान पर प्रभातफेरी देश-विदेश में सिंधी समाज के श्रद्धालु निकाल रहे हैं। पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत आसवानी ने बताया की आदिकाल से ही परिवार समाज एवं देश की खुशहाली हेतु सिंधी समाज 18 घंटे निर्जल निराहार रहकर पूज्य झूलेलाल चालिहा व्रत रखता आया है। इस वर्ष भी भगवान झूलेलाल जी के 26वें वंशज ठकुर साई मनीष लाल साहिबजी (साई भरूचवारा) के आव्हान पर सिंधी समाज के प्राचीन प्रमुख तीर्थ स्थान श्री वरुण देव झूलेलाल मंदिर भरूच गुजरात से लाई गई अखंड ज्योत एवं भगवान झूलेलालजी के ग्रंथ श्री अमर कथा के साथ प्रभात फेरी निकाली जा रही है, जिसका समापन 10 जनवरी को होगा। प्रभात फेरी की शुरूआत दिसंबर से हुई थी। संतनगर के पुराना बी वार्ड में स्थित झूलेलाल- ठकुर आसानलाल मंदिर से यह प्रभात फेरी रोजाना सुबह 6ः00 बजे शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई 7ः30 बजे मंदिर पर समाप्त होती है। 10 जनवरी शुक्रवार को सुबह 5ः00 बजे बहिराणा साहिब का आयोजन कर सुबह 6ः30 बजे पूज्य बहिराणा साहिब के साथ प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई सुबह 8ः30 बजे पुराना बी वार्ड स्थिति ठकुर आसानलाल धर्मशाला पहुंचेगी। जहां भंडारे का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात सुबह 10ः30 बजे वहां से रवाना होकर सुबह 11ः00 शीतल दास की बगिया (झूलेलाल घाट) पहुंचेगी जहां पर पूज्य बहिराणा साहिब का विधि विधान से विसर्जन किया जाएगा, वहां पर भी भंडारे का आयोजन किया गया है।

परंपरा : एक हजार बच्चों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

मंगलवार की सुबह प्रार्थना सभा में एक हजार बच्चे एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। संतनगर के दीपमाला पागारानी पब्लिक स्कूल में यह परंपरा शुरू की है। डेढ़ साल से अधिक समय हो गया है। संभवत यह देश का पहला स्कूल होगा, जहां मंगलवार को हनुमाल चालीसा का पाठ होता है।

इसी कड़ी में मंगलवार को चालीसा पाठ हुआ, जिसमें संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, भोपाल विष्णु विश्वकर्मा, सुरेश वासवानी, लाल ग्वालानी और बच्चों ने स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस वअसर पर चेलानी ने कहा कि भारत में सनातन धर्म के कई लोग प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते है, जो व्यक्ति रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करते है उसकी रक्षा स्वयं हनुमान जी करते है हनुमान चालीसा का पाठ करने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।

विष्णु विश्वकर्मा ने कहा कि संस्कार प्रांगण में आके मुझे बहुत खुशी हो रही है आप प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते है। आपके विद्यालय में जब पढ़ाई का समय होता है तब पढ़ाई होती है और जब पूजा का समय होता है तब पूजा होती है और यह सारा काम बच्चे मन लगाकर करते है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आप विद्यालय में हनुमान चालीसा का पाठ करते है आप पर हनुमान जी कृपा बनी रहेगी और आप निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बड़े और अपने जीवन को सफल करें। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्राधानाचार्या मृदुला गौतम एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित होकर बच्चों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया।

सीएम ने समीक्षा बैठकों में दिए सख्ती के निर्देश

सीएम की दो टूक- बिजली कंपनियों को हर साल 26 हजार करोड़ की सब्सिडी पर चलेगी कैंची

गोशालाओं को प्रति मवेशी प्रतिदिन दिए जा रहे 20 रुपये के अनुदान की भी जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिजली कंपनियों को हर साल दी जाने वाली 26 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी पर कैंची चल सकती है तो वहीं गोशलाओं में रखे जाने वाले मवेशियों के चारे–भूसे के लिए प्रतिदिन दिए जाने वाले 20 रुपये के अनुदान की राशि में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इसके निर्देश दिए हैं। वह बिजली कंपनी के कामकाज और गोशालााओं की स्थिति को लेकर समीक्षा कर रहे थे। बिजली कंपनियों के कामकाज से जुड़ी समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए कंपनियां राजस्व बढ़ाएं ताकि सब्सिडी में कटौती का असर उपभोक्ताओं पर असर न हो। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर लगाने के काम में गति लाने, जले व खराब वितरण ट्रांसफार्मरों को समय बदलने के निर्देश दिए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए संगठनात्मक संरचना का प्रस्ताव दें। 30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जो?ने के लक्ष्य को पूरा करें। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ट्रांसफार्मर एवं बिजली लाइनों के रख-रखाव की कार्य-योजना बनाने और अवैध बस्तियों में रहने वाले लोगों को बिजली कनेक्शन देने की बात कही। सीएम ने गोशालाओं को लेकर ली समीक्षा बैठक में अधिकारियों को गोशालाओं का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि यदि किसी भी स्तर पर अनुदान की राशि में गड़बड़ी मिलती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। पंचायतों में मवेशियों के लिए गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए। सरकार पंजीकृत गौशाला में रहने वाले पशुओं को पहले 20 रुपए प्रति दिन प्रति पशु आहार अनुदान देती थी जिसे अब बढ़ाकर 40 रुपए किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादकों को बोनस देने की योजना है। गोशालाओं में सीएनजी बॉयोगैस संयंत्र की स्थापना भी की जानी है।

भाजपा-कांग्रेस नेताओं को निमंत्रण

दिग्विजय दिखाएंगे 'सरकार' को बैतूल विद्रोह की फिल्म

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कांग्रेस और भाजपा नेताओं को 13 जनवरी को विधानसभा के मानसरोवर सभागार में फिल्म ÷जंगल सत्याग्रह÷ फिल्म दिखाने वाले हैं। इसका प्रीमियर शो यहां हो रहा है। दिग्विजय ने इस शो के लिए कांग्रेस और बीजेपी के विधायकों, सांसदों, पूर्व विधायकों और मंत्रियों समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को निमंत्रण भेजा है। पिछले दिनों दिग्विजय ने सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री हन यादव को इस फिल्म के प्रीमियर शो में आने का निमंत्रण दिया। उनकी ओर से विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर,बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को भी निमंत्रण भेजा गया है। मोहन सरकार के मंत्रियों और बीजेपी विधायकों को भी निमंत्रण भेजा जा रहा है। बताया जाता है कि सिंह राज्यपाल मंगुभाई पटेल को भी निमंत्रण देने राजभवन जायेंगे।

बैतूल के आदिवासियों के विद्रोह पर आधारित: बताया जाता है कि यह फिल्म स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक बहुचर्चित आंदोलन 'जंगल सत्याग्रह' में बैतूल के आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ 1930 में विद्रोह पर आधारित है। इस आंदोलन में आदिवासी नायक सरदार गंजन सिंह कोरकू, सरदार विष्णु सिंह गोंड, ठाकुर मोहकम सिंह, रामजी कोरकू और जुगरू गोंड द्वारा 1930 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल, जंगल और जमीन के लिए किए गए संघर्ष को फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म ÷जंगल सत्याग्रह÷ का निर्माण बैतूल के स्थानीय कलाकारों ने किया है।

बताया जाता है कि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य सीनियर कांग्रेस नेताओं को भी फिल्म के प्रीमियर शो में शामिल होने का न्योता दिया है।

सरकार का युवाओं पर फोकस, शक्ति मिशन के जरिए युवाओं के कल्याण का किया दावा

स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा मिशन का नाम, उनकी जन्म जयंती से ही होगी शुरुआत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिला शक्ति् पर फोकस करने वाली मप्र की भाजपा सरकार पहली बार युवाओं के कल्याण पर ध्यान देने जा रही है। इसके लिए स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन शुरू किया जाएगा। मंगलवार मिशन को कैबिनेट बैठक में सैद्धांतिक सहमति दी गई। इसकी शुरुआत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 जनवरी को की जानी है। इसमें युवाओं को नौकरी पानी योग्य से लेकर नौकरी देने योग्य बनाया जाएगा। इसके अलावा भी युवा वर्ग की मदद मप्र को विकसित बनाने में ली जाएगी। उक्त मिशन की निगरानी खुद सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होगी। जबकि मुख्य सचिव त्रैमासिक समीक्षा करेंगे। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग नोडल होगा। बाकी के विभाग के अधिकारी सहयोग करेंगे।

मिशन के प्रमुख लक्ष्य

- वर्ष 2030 तक सभी को कुशल श्रेणी श्रमिक के बराबर आय के साधन विकसित कराना।
- वर्ष 2028 तक 100 फीसद को न्यूनतम 12वीं कक्षा तक की शिक्षा देना
- आत्मविश्वास, उद्यमिता को बढ़ावा देना, चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार पाने योग्य बनाना।
- मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता लाना।
- वर्ष 2028 तक 70 फीसद में समाज के प्रति सक्रियता लाना व सकारात्मक सोच विकसित करना।
- खेल, संस्कृति व पर्यावरण के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाना।

मिशन में यह भी होगा

- वैश्विक प्रशिक्षण संस्थानों व कौशल विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी।
- सभी जिलों में औद्योगिक पार्क की स्थापना की जाएगी।
- नवाचार से जुड़े स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को सरकार से मदद के विकल्प को आसान बनाना।
- नशे से दूर किए जाने के प्रबंध करना।
- सीएसआर फंड का उपयोग युवाओं को समृद्ध बनाने में करना।

ये विभाग पूरा करेंगे मिशन

- संवाद के लिए उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा जनसंपर्क, आदिम जाति कल्याण, महिला एवं बाल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के एसीएस व पीएस।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए स्कूल, उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय, जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण महिला एवं बाल विकास व तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारी।
- उद्यमिता व रोजगार दिलाने के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता, पंचायत एवं ग्रामीण विकास व नगरीय विकास।
- सामाजिक पहल के लिए खेल, युवा कल्याण, सामाजिक न्याय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा व गृह विभाग के अधिकारी।
- अनुश्रवण के लिए खेल व युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा व विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग।

कैबिनेट में करीब आए सीएम और सीएस

भोपल दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव के कहने पर अब मुख्यसचिव अनुराग जैन ने कैबिनेट बैठकों के दौरान उनके निकट बैठना शुरू किया है। बताया जाता है कि गत दिवस कैबिनेट बैठक शुरू होते ही दूर बैठे मुख्य सचिव अनुराग जैन को देखकर मुख्यमंत्री यादव ने कहा - 'आपकी आवाज हमें सुनाई नहीं देती,आप बाजू में आकर बैठें।' इसके बाद मुख्य सचिव अनुराग जैन पीछे से उठकर मंत्रियों वाली लाइन में आकर बैठ गए और अपने सुझाव दिए। गौरतलब है कि तीन अक्टूबर 2024 को नए मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली कैबिनेट दमोह जिले के सिंग्रामपुर में हुई थी। इसमें सीएस जैन साइड में बैठे। इसके बाद मंत्रालय में हुई बैठकों में भी मुख्य सचिव जैन दूर ही बैठे । हालांकि यादव सरकार की पहली मुख्य सचिव रहीं वीरा राणा भी कार्यकाल के दौरान सीएम से थोडा दूर ही बैठती थीं। जबकि पिछ्ली शिवराज सिंह चौहन सरकार के मुख्य सचिव रहे इकबाल सिंह बैंस मुख्यमंत्री के एकदम बगल में बैठते थे। हालांकि कल भी जैन मोहन यादव के ठीक बगल में नहीं, बल्कि मंत्रियों वाली लाइन में बैठे।

राजधानी में अब 21 लाख मतदाता हुजूर में बढ़े गोविंदपुरा में घटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। जिले की कुल 7 विधानसभाओं में अब 21.18 लाख से ज्यादा वोटर्स हो गए हैं। यह जानकारी वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन से सामने आई है। इनमें 10.68 लाख पुरुष और 10.31 लाख महिलाएं हैं। हुजूर विधानसभा में 3322 वोटर्स बड़े हैं, जबकि गोविंदपुरा में 9.56 मतदाता घट गए। यानि 2 महीने में 8432 मतदाताओं ने अपने नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा लिए। कल फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन हो गया। 29 अक्टूबर 2024 से वोटर लिस्ट के अपडेशन का काम शुरू हुआ था। दो महीने के अंदर दावे-आपत्ति लिए गए। इसके बाद उनका निराकरण किया गया। आखिरकार अब वोटर्स की तस्वीर साफ हो गई है। जानकारी के मुताबिक, 29 अक्टूबर की स्थिति में भोपाल जिले में कुल 21 लाख 14 हजार 70 मतदाता थे। इनमें 10 लाख 85 हजार 470 पुरुष, 10 लाख 28 हजार 432 महिला और 168 ट्रांसजेंडर्स शामिल थे।मतदाता पुनरीक्षण के दौरान 8432 नए मतदाताओं को जोड़ा गया है। वहीं, 4194 मतदाताओं के नाम लिस्ट से हटाए भी गए हैं। इस तरह ब?ने वाले वोटर्स का आंक?ा 4294 है।अब 6 जनवरी को अंतिम प्रकाशन के समय जिले की कुल मतदाता संख्या 21 लाख 18 हजार 364 हो गई है। इसमें 10 लाख 86 हजार 676 पुरुष, 10 लाख 31 हजार 520 महिला और 168 ट्रांसजेंडर्स शामिल हैं। ट्रांसजेंडर्स की संख्या न तो बड़ी और न ही घटी है।

उज्जैन सिंहस्थ में प्रयागराज महाकुंभ का मॉडल अपनाएगी सरकार

अफसरों को अध्ययन के निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार भी अब 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ मेले के दौरान प्रयागराज और हरिद्वार में कुंभ की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाएगी। इसके लिये सीएम मोहन यादव ने कहा है कि प्रयागराज में आगामी कुंभ के समापन के बाद, भीड़ प्रबंधन, ड्रोन सर्वेक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और अन्य गतिविधियों में लगी कंपनियों और स्टार्टअप्स का एक सम्मेलन उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सिंहस्थ मेले के लिए बुनियादी ढांचे से संबंधित कार्यों सहित तैयारियों की समीक्षा के दौरान कहा कि यादव ने कहा कि सिंहस्थ- व्यवस्थाओं को सर्वोत्तम रूप देने के लिए प्रयागराज और हरिद्वार में कुंभ के मॉडल का भी अध्ययन किया जाएगा. सिंहस्थ-2028 में दोनों कुंभ की सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने के लिए एक कार्ययोजना बनाई जाएगी। अफसरों को इसके अध्ययन के लिये भेजा जाएगा। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा. इससे पहले, कुंभ मेला 2021 में उत्तराखंड के हरिद्वार शहर में आयोजित किया गया था।

सीएम यादव ने अधिकारियों को सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए रेलवे के साथ समन्वय के उद्देश्य से एक विशेष प्रकोष्ठ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपयुक्त पहुंच मार्ग विकसित किए जाएं। उज्जैन, इंदौर और देवास में किए जा रहे निर्माण कार्यों में सीवरेज, स्वच्छता और हरियाली पर विशेष ध्यान दें। पर्यटकों की सुविधा के लिए धर्मशालाओं के उन्नयन के लिए कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। यादव ने विभागों में आवश्यकतानुसार प्रशासनिक ढांचे का तत्काल विस्तार करने को कहा।

काम में लेटलतीफी न करें : सिंहस्थ मंत्रिमंडलीय समिति की दूसरी बैठक में सीएम यादव ने कामों में लेटलतीफी पर अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि कामों में देरी नहीं होनी चाहिए। दरअसल सिंहस्थ 2028 से जुड़े काम 2027 के पहले खत्म करने है। यह डेडलाइन पहले से तय है। तब भी महाकाल लोक–2 और महाराजवाड़ा के काम करीब 4 से 6 महीने पीछे चल रहे हैं। यही हाल रहा तो हजारों करोड़ रुपये के दूसरे कामों का पिछड़ना तय है। इसके अलावा उन कामों की गति भी प्रभावित हो सकती है जो अभी पाइपलाइन में ही है। सीएम ने मुख्य सचिव समेत अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक हर 15 दिन में करेंगे।

संपादकीय

नक्सली समस्या खत्म कैसे हो

नक्सलवाद का दंश अभी भी कई राज्यों को घेरे हुए हैं। यद्यपि कुछ राज्यों के नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति देखी जाने लगी है। मसलन महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड आदि में अब पहले की तरह नक्सली हमलों में कमी दर्ज हुई है। मगर छत्तीसगढ़ अब भी नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है। यहां अक्सर नक्सली वारदातों, सुरक्षाबलों से मुठभेड और जवानों की शहादत की खबरें आती हैं। हालांकि नक्सलियों पर काबू पाने के लिए राज्य और केंद्र के अभियान लगातार चलाए जाते हैं। इसमें अक्सर नक्सलियों के मारे जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर इससे नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम लगा पाना अब भी चुनौती बना हुआ है। यूं तो केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि अगले साल तक नक्सलवाद का सफाया कर दिया जाएगा। इसके मद्देनजर छत्तीसगढ़ के सघन वनों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज हैं। मगर सुरक्षाबलों की कार्रवाई के जवाब में नक्सली भी बड़े हमले करने की साजिशें रचने में कामयाब देखे जाते हैं। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुआ ताजा नक्सली हमला इसी का एक उदाहरण है। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले सुरक्षाबलों के अभियान के जवाब में नक्सलियों ने यह हमला किया। जब दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर का संयुक्त दल तलाशी अभियान से वापस लौट रहा था, तब घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने उनके वाहन पर हमला कर दिया। इसमें आठ सुरक्षाकर्मी और एक वाहन चालक मारे गए। इस हमले में आईईडी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। इसकी शक्ति आम विस्फोटकों से कई गुना अधिक होती है। सरकार अक्सर दावा करती है कि नक्सलियों का लगभग सफाया कर दिया गया है और अब वे कुछ सीमित इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि इतनी चौकसी के बावजूद नक्सलियों के पास अत्याधुनिक हथियार और विस्फटोक किस तरह और कहां से पहुंच पा रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा क्षेत्र में सघन जंगल होने की वजह से नक्सलियों के खिलाफ अभियान में मुश्किलें आती हैं। उनकी तलाशी और उन पर नजर रखना कठिन है। यही इलाका नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है और सबसे अधिक इसी क्षेत्र में वे सुरक्षाबलों पर हमले करने में कामयाब होते हैं। मगर यह समस्या कोई नई नहीं है। इसके लिए हेलीकाप्टर से टोह लेने की योजना बनी थी। वैसे भी आजकल इतने अत्याधुनिक टोही उपकरण उपलब्ध हैं कि उनसे जंगलों में चल रही गतिविधियों का पता लगाना मुश्किल नहीं माना जा सकता। इसके बावजूद अगर नक्सली सुरक्षाबलों की योजनाओं और गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रख पा रहे हैं, विस्फोटक और हथियार हासिल करने में कामयाब हो जा रहे हैं, तो इससे सुरक्षाबलों को अपनी रणनीति में बदलाव की अपेक्षा की जाती है। नक्सलवाद का उभार आदिवासी इलाकों में जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए हुआ था, मगर अभी वह जिस रूप में अपनी जड़ें जमा चुका है, वह आतंकी गतिविधियों की शक्ल अख्तियार करता गया है। अब तो उनमें सरकार के साथ बातचीत का रुख भी नजर नहीं आता। अगर उन तक अत्याधुनिक हथियार और विस्फोटक पहुंच रहे हैं, तो जाहिर है, उनके पास बाहर से वित्तीय मदद भी पहुंच रही है। इन सबके रास्ते सुरक्षाबलों और खुफिया तंत्र की नजर से कैसे ओझल बने हुए हैं, समझ से परे है। नक्सलवाद के संपूर्ण खात्मे का ख्वाब तब ही पूरा हो सकेगा जब नक्सलियों तक पहुंचने वाले हथियार, विस्फोटक और अत्याधुनिक सूचना तकनीक के साथ ही वित्तीय मदद पर अंकुश न लगे और नक्सलप्रभावित इलाकों में सरकार के सघन विकास कार्यों की नयी बयार लाई जाए।

शताब्दी वर्ष में संघ की दृष्टि दिशा और संबंधों की परीक्षा

■ आलोक मेहता

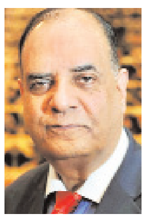

लोक सभा और महाराष्ट्र हरियाणा विधान सभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की भूमिका , भारतीय जनता पार्टी के साथ खट्टे मीठे सम्बन्ध बहुत चर्चा में रहे । अब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अधिक ताम झाम और विज्ञापनबाजी के अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाना प्रारम्भ किया है ।संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में लक्ष्य रखा है कि देशभर में अपनी शाखाओं की संख्या बढ़ाकर एक लाख करनी है । अपनी शाखाओं को शहर और कस्बों में नहीं बल्कि गांव तक अपनी जड़ें जमाने का है । संघ का सामाजिक समरसता का एजेंडा सबसे महत्वपूर्ण है, जिसके जरिए जातियों में बिखरे हुए हिंदुओं को एकजुट करना है । इसी कड़ी में संघ और भाजपा ने मंदिर मस्जिद हिन्दू मुस्लिम से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी दृष्टि दिशा और संबंधों को सही परिप्रेक्ष्य में देखने पर जोर दिया है । संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक वक्तव्यों से यह स्पष्ट है कि उनमें कोई मतभेद नहीं है । यह बात अलग है कि वे अपने अपने संगठन और सरकार के कामकाज में स्वतंत्र रुप से सक्रिय रहे हैं और भविष्य में भी रहना चाहते हैं । जिस तरह आर्य समाज , हिन्दू महासभा , कांग्रेस , कम्युनिस्ट , समाजववादी विचारधारा और उनके कई नेताओं , कार्यकर्ताओं में गहरे मतभेद और पार्टियों के विभाजन तक हुए हैं , उसी तरह संघ या भाजपा में भी कुछ अतिवादी रहे और अब भी उनके बयानों तथा गतिविधियों से भ्र्म , विवाद और समाज तथा राष्ट्र को कुछ हद तक नुकसान भी हो रहा है ।

सरसंघचालक मोहन भागवत के दो तीन वर्षों के सार्वजनिक बयानों के बावजूद संगठन के अंग्रेजी साप्ताहिक प्रफुल्ल केतकर के सम्पादकीय और भाजपा के भी कुछ कट्टरपंथी नेताओं की मंदिर मस्जिद दावेदारियों के बयानों से अनावश्यक तनाव पैदा हो रहा है । यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग ही कहा जा सकता है। देश में लगातार अलग-अलग जगहों पर उठते मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदूवादी नेताओं को फिर नसीहत दी है। नसीहत कि राम मंदिर जैसे मुद्दों को कहीं और न उठाएं। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना यह तक कह दिया कि अयोध्या में राम मंदिर बन जाने के बाद कुछ लोग ऐसे मुद्दों को

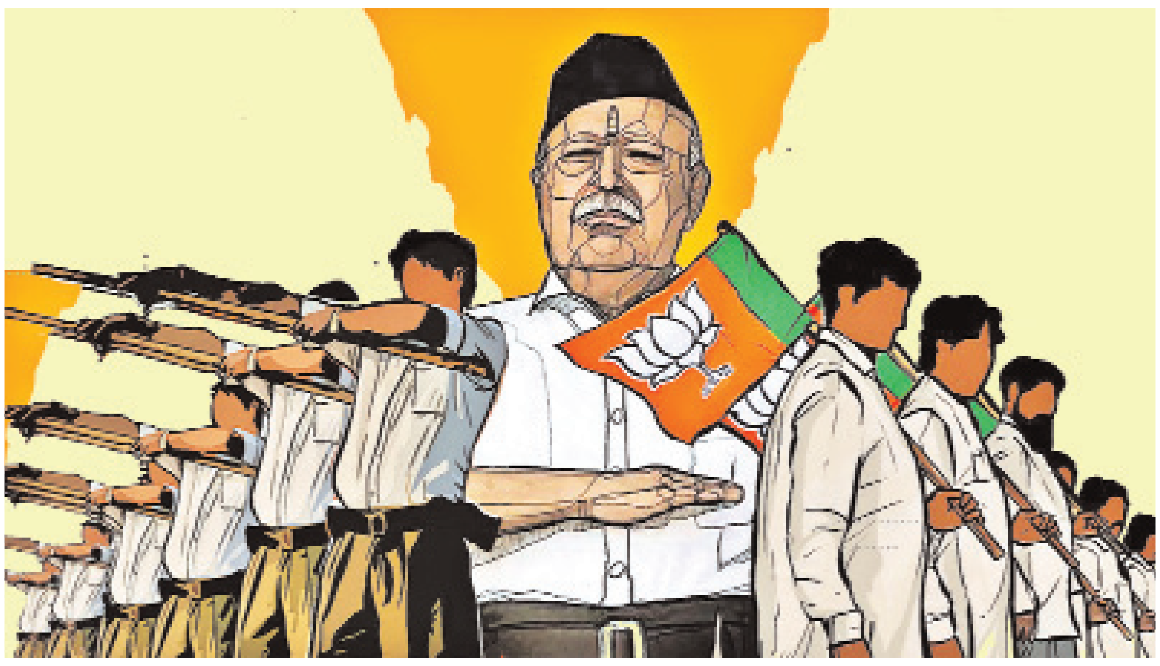

उछालकर खुद को 'हिंदुओं का नेता' साबित करने की कोशिश में लगे हैं। राम मंदिर बनने के बाद कुछ लोगों को लगता है कि बाकी जगहों पर भी इसी तरह का मुद्दा उठाकर वो 'हिंदुओं के नेता' बन जाएंगे। राम मंदिर आस्था का विषय था, और हिंदुओं को लगता था कि इसका निर्माण होना चाहिए... नफरत और दुश्मनी के कारण कुछ नए स्थलों के बारे में मुद्दे उठाना अस्वीकार्य है।'मोहन भागवत ने कहा कि भारत को सभी धर्मों और विचारधाराओं के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उग्रवाद, आक्रामकता, बल प्रयोग और दूसरों के देवताओं का अपमान करना हमारी संस्कृति नहीं है...यहां कोई बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक नहीं है; हम सब एक हैं। इस देश में सभी को अपनी पूजा पद्धति का पालन करना चाहिए, करने देना चाहिए।' गनीमत है कि पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने संघ प्रमुख के विचारों का जोरदार समर्थन कर दिया है ।

इसमें कोई शक नहीं कि हर महापुरुष , संगठन के विचारों में समय काल के साथ कुछ बदलाव होते रहे हैं । इसलिए संघ और भाजपा में कुछ वैचारिक परिवर्तन होने पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए । यदि संघ या भाजपा के भटके लोगों को अधिक गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए और अतिवादियों पर नियम कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई भी हो सकती है । बहरहाल , मेरी पत्रकारिता का अनुभव तो यही है कि संघ में गुरु गोलवलकरजी से मोहन भागवतजी और संघ से ही आए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी तक अयोध्या , काशी , मथुरा के प्राचीन महत्व अस्तित्व और देश में जन्मे 98 प्रतिशत लोगों को विभिन्न पूजा पद्धतियों के साथ भारतीय हिंदू के रुप में स्वीकारने का सिद्धांत रहा है । इसे संयोग अथवा सौभाग्य कहा जा सकता है कि मुझे पिछले पांच दशकों में ऐसे विभिन्न मीडिया संस्थानों और सम्पादकों पत्रकारों के साथ करीब से काम करने के अवसर मिले हैं , जो कभी संघ के समर्पित प्रतिष्ठित प्रचारक , कोई कोंग्रेसी , कोई सामाजवादी , कोई प्रगतिशील संघ विचार विरोधी रहे । जैसे 71 से 75 तक हिंदुस्तान समाचार में रहने के कारण संघ से जुड़े रहे बालेश्वर अग्रवाल , एन बी लेले , रामशंकर अग्निहोत्री , भानुप्रताप शुक्ल के साथ काम करने से उनके विचारों को समझने का लाभ मिला । एक संपादक रामशंकर अग्निहोत्री ने दिसम्बर 1972 में दी गई एक किताब 'श्री गुरुजी व्यक्ति और कार्य' (मराठी के एन एच पालकर द्वारा लिखित अनुवादित) आज भी मेरे पास है । इसी पुस्तक में संघ प्रमुख गुरु गोलवलकर द्वारा बम्बई (अब मुंबई) 1948 में दिए गए एक भाषण का अंश संभवतः आज भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है । इसमें गुरुजी ने कहा था - 'भारत के प्रत्येक व्यक्ति को इसी तरह सोचना चाहिए कि जो हो रहा है , वह उचित हो या अनुचित , हमें क्षुब्ध हुए बिना समस्याओं का मूलगामी विचार करते हुए हृदय में किसी अपकार भावना को प्रश्रय न देकर , पारस्परिक वैमनस्य छोड़कर शांत चित्त से प्रगति करते रहना चाहिए । सभी प्रक्षोभक कारणों को पचाकर आगे बढ़ेंगे । अपने दिल दिमाग में क्रोध का विष नहीं आने देंगे । जो दिखाई दे रहे हैं , वे जैसे भी हों , हमारे ही लोग हैं , हमारे राष्ट्र जीवन के हमारे समाज के घटक हैं । उनकी विचारधारा कैसी भी हो उन्होंने कुछ अच्छा कार्य भी किया होगा । अतः हमें अपनी स्नेहमय उदारता और बंधुता की भावना उसके लिए प्रगट करेंगे । ' मतलब संघ के शीर्ष नेता राष्ट्र और समाज को सर्व प्रमुख लक्ष्य मानते रहे हैं ।

संघ साफ तौर पर हिंदू समाज को उसके धर्म और संस्कृति के आधार पर शक्तिशाली बनाने की बात करता है । भाजपा 2014 से देश की सत्ता में है । कई राज्यों में बीजेपी की अपने दम पर सरकार चल रही है तो कई राज्यों में सत्ता की भागीदार है । भाजपा और नरेंद्र मोदी के सत्ता में होने के चलते संघ अपने कोर एजेंडे को भी अमलीजामा पहनाने में कामयाब रहा है । जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त हो गई है । एक देश, एक विधान का सपना भी साकार हो रहा है । संघ का कोर एजेंडा समान नागरिक संहिता का है, जिसे अमलीजामा पहनाने का काम भी बीजेपी ने शुरू कर दिया है । उत्तराखंड के जरिए इसका प्रयोग किया जा रहा है । इतना ही नहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में साफ शब्दों में कहा है कि बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करेंगे । इसके लिए उन्होंने उत्तराखंड की मिसाल भी दी है । फिर संघ भाजपा में टकराव का कौनसा मुद्दा हो सकता है ?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अंदरूनी संघर्ष व बाहरी दबावों से निपटने की रणनीति

■ जी़ पार्थसारथी

वर्ष 1971 में अपने जन्म के काल में अमेरिका-चीन जैसे एक अजीब और आभासीय गठबंधन की चालों का सामना करने के बावजूद, हाल के वर्षों में बांग्लादेश ने तेजी से आर्थिक विकास का रिकॉर्ड बनाया है। 1971 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से, अनिश्चितताएं और निरंतर प्राकृतिक आपदाएं झेलने के बावजूद, इसने आर्थिक विकास में मजबूती और गरीबी में कमी होते देखी है। जन्म के समय दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिने जाने से लेकर 2015 आते-आते यह मुल्क निम्न-मध्यम आय की स्थिति में पहुंच गया।इस बीच, इसकी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हाल ही में अंतरिम सरकार- जिसकी बागडोर एक अमेरिका शिक्षित कृषक और नोबेल पुरस्कार विजेता, मोहम्मद यूनुस के हाथ में है- के नेतृत्व में स्थानीय 'अफसरों' द्वारा गिरफ्तार किए जाने की धमकी के बाद भारत में शरण लेनी पड़ी है। यूनुस एवं बांग्लादेश ग्रामीण बैंक को 2006 में 'निचले स्तर से आर्थिक एवं सामाजिक विकास करने' की दिशा में कार्य के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साल 1983 में स्थापित इस बैंक का उद्देश्य गरीब लोगों को आसान शर्तों पर छोटे ऋण प्रदान करना है, जिसे 'माइक्रो-क्रेडिट' भी कहा जाता है।

शेख हसीना, जो अब भारत में निर्वासन में रह रही हैं, उन्होंने 1975 में अपने पिता शेख मुजीब-उर-रहमान को एक खूनी सैन्य तख्तापलट में मारे जाते देखा था। साल 1971 में मुजीब अगुवाई करके अपने लोगों को स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक शासन की ओर ले गए थे। कदाचित?, अमेरिका और चीन, दोनों ही, शेख मुजीब और उनकी बेटी के प्रति अविश्वास और नापसंदगी की भावना पाले रहे। हसीना, जो नैसर्गिक रूप से भारत के प्रति दोस्ताना थीं, उन्हें अमेरिका और चीन के तत्कालीन गठबंधन द्वारा सोवियत विरोध के तहत चली गैर-मैत्रीपूर्ण भावनाओं का सामना करना पड़ा था। उनके बाद बांग्लादेश में ऐसी सरकारें आईं, जिन्हें भारत जरा भी सुहाता नहीं था। हालांकि, समय के साथ चीजें बदलते गईं। अगर शेख मुजीब को 1970 के दशक में अमेरिका और चीन की दुश्मनी का सामना करना पड़ा था, तो आज की तारीख में उनकी बेटी और उत्तराधिकारी वैसी ही स्थिति का सामना कर रही हैं। वर्तमान में अमेरिका और चीन बिल्कुल भी अच्छे दोस्त नहीं हैं, जैसाकि वे 1970 के दशक की शुरुआत में हुआ करते थे। अमेरिका-चीन के विरोधी रुख का सामना करने के बावजूद, हसीना का अपने राष्ट्र की रणनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक विकास और धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। वह पाकिस्तान की सैन्य ज्यादतियों से अपने देश की मुक्ति में भारत की भूमिका को भी नहीं भूलीं।

बांग्लादेश अब ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है, जहां अमेरिका समर्थित यूनुस देश के नेतृत्व में एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। यह खुला रहस्य है कि यूनुस का अमेरिका के प्रति झुकाव है, जिसने हाल ही में उन्हें बांग्लादेश सरकार का प्रमुख नियुक्त करने में मदद की है। दिलचस्प बात यह है कि हसीना को हटाने के पीछे न केवल बाइडेन प्रशासन बल्कि उनके प्रतिद्वंद्वी चीन का भी समर्थन रहा। यह भी रोचक है कि यूनुस को हसीना के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त करने के बारे में चीन और अमेरिका, दोनों के विचार, एक जैसे प्रतीत होते हैं। सनद रहे यूनुस की अपनी उच्च राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिका और चीन सहित कई पक्षों ने मिलकर हसीना को बदनाम करने के लिए ठोस प्रयास किए। यह कोशिशें उस आर्थिक प्रगति को नजरअंदाज करती हैं जो बांग्लादेश ने उन वर्षों में हासिल की जब वहां सरकार हसीना की थी। इससे अधिक, बांग्लादेश का नया नेतृत्व तय करने या निर्वाचित सरकार को कमजोर करने के पीछे न केवल विदेशी ताकतों की भूमिका रही है बल्कि बांग्लादेश के खुद अपने लोगों की भी। बांग्लादेश के विकास में आज भारत सबसे बड़ा साझीदार है। भारत ने जहाजरानी, बंदरगाह, सड़कों और रेलवे जैसे क्षेत्र के आधुनिकीकरण और विकास के लिए 8 बिलियन डॉलर का तिहरा ऋण प्रदान किया है। चीन और पाकिस्तान, हर हीले-हवाले, हिंद महासागर में भारत के प्रभाव को रोकने और सीमित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जहां के जलमार्गों से होकर, होरमुज़ जलडमरू से तेल की आपूर्ति मलक्का जलडमरू और उससे परे तक होती है।

ट्रम्प प्रशासन के कार्यभार संभालने के साथ ही, भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ व्यापक बातचीत करनी चाहिए। समुद्र के नीचे बिछी अपनी संचार लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह करना जरूरी है। इस बीच, भारत विमानवाहक पोत और लड़ाकू युद्धपोत से लेकर मिसाइल शक्ति तक की शस्त्र प्रणालियों में अपनी समुद्री क्षमताओं का विकास कर रहा है। यह उसे अमेरिका, जापान और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ, अति महत्वपूर्ण फारस की खाड़ी के देशों के साथ सहयोग करने में सक्षम बनाता है। इस क्षेत्र में बनी असुरक्षा और अस्थिरता का नतीजा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत घातक हो सकता है। इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रुचि उनके हाल के कुवैत दौरे से स्पष्ट है। विगत में निगाह डालें तो, 1971 में निक्सन-माओ-जनरल याह्या खान की तिकड़ी से उभरे अमेरिका-पाकिस्तान-चीन गठबजोड़ ने एक तरह से बांग्लादेश में नरसंहार करवाया और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से लगभग 1 करोड़ शरणार्थियों को भारत में पनाह लेनी पड़ी। शेख मुजीब-उर-रहमान ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था। याद रहे कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को बांग्लादेश में अनिश्चित काल तक भारतीय सेना तैनात किए रखने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। हालांकि, शेख मुजीब की क्रूर हत्या से उन्हें झटका लगा था। तब से चीजें काफी हद तक बदल गई हैं, लेकिन बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारत को अमेरिका का समर्थन प्राप्त करने की आवश्यकता होगी। चीन ने हाल ही में म्यांमार में क्यौकफ्यू गहरे समुद्री बंदरगाह पर बंगाल की खाड़ी तक पहुंच मजबूत की है।

अब जबकि भारत को बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में शामिल होने से बचना होगा वहीं हसीना को शरण देना जारी रखना चाहिए। भारत को अमेरिका और अन्य देशों के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बांग्लादेश अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत कर सके और वहां स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हो पाएं, जिसमें हसीना और उनकी पार्टी के लोग भी भाग लेने के लिए स्वतंत्र हों।

(साभार : लेखक पूर्व राजनयिक हैं।)

> **संसार में गऊ बनने से काम नहीं चलता, जितना दबोगे उतना ही लोग दबाते हैं।**
> **- प्रेमचन्द**

आज का इतिहास

- 1973- रूस का स्पेस 'मिशन ल्यूना 21' लांच किया गया।
- 1971- पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो ने नेता शेख मुजीबुर रहमान को जेल से आजाद किया था।
- 1952- जॉर्डन ने संविधान अंगीकार किया था।
- 1929- नीदरलैंड्स और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेलीफोन संपर्क स्थापित हुआ।
- 1889- हर्मन होलैरिथ को पंच कार्ड टैब्युलेटिंग मशीन के आविष्कार का पेटेंट मिला।
- 1856- डॉ. जॉन वीच ने हाइड्रेटेड सोडियम बोरेट की खोज की थी।
- 1790- अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन ने पहली बार देश को संबोधित किया था।
- 1697- ब्रिटेन में आखिरी बार ईशनिंदा के आरोप के लिए मृत्युदंड दिया गया था।
- 1984- उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग का जन्म।
- 1975- भारतीय संगीतकार हैरिस जयराज का जन्म।
- 1942- प्रसिद्ध ब्रितानी भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग का जन्म।
- 1938- भारतीय फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री नन्दा।
- 1929- भारतीय अभिनेता सईद जाफ़री का जन्म।

निशाना

हो गया ऐलान !

-कृष्णेन्द्र राय

आखिरकार तारीखों का ।
हो गया ऐलान ।।
कब होगी गिनती ।
और कब मतदान ।।
अपने अपने ढ़ंग से ।
अब सबके बयान ।।
है बनाए रखना ।
सबको ही सम्मान ।।
क्षेत्र में अब स्वतः ।
डट जाएंगे वीर ।।
धीरे धीरे तरकश से ।
छोड़ना भी तीर ।।
है पूरा प्रयास ।
मार लें मैदान ।।
देखना है किसकी ।
राह है आसान ।।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कॉलेज चलो अभियान की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस एस रावत की अध्यक्षता में रेवा कक्ष सभागृह में जिला शिक्षा अधिकारी एस पी बिसेन एवं जिले के सभी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के साथ कॉलेज चलो अभियान की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन एवं कॉलेज चलो अभियान की टीम उपस्थित रही। बैठक में अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा सभी प्राचार्यों से आग्रह किया कि

वह बारहवीं में अध्यनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों से मिलने के लिए उनके व्हाट्सएप ग्रुप में हमारे महाविद्यालय की कॉलेज चलो अभियान की टीम को जुड़ने की अनुमति प्रदान करें एवं विद्यालयों में आयोजित होने वाली शिक्षक अभिभावक बैठक की तिथि से अवगत करावे। जिससे महाविद्यालय की कॉलेज चलो अभियान की टीम अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से संपर्क कर सके। डीपीसी डॉ. राजेश जैसवाल से गत वर्ष के ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की संख्या मांगी गई। महाविद्यालय की विभिन्न विशेषताओं से सभी प्राचार्यों को अवगत करवाया गया। सभी प्राचार्यों से महाविद्यालय के भ्रमण के लिए अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया एवं 10 जनवरी को आयोजित होने वाले कैरियर अवसर मेले के लिए भी उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को आने हेतु आग्रह किया गया।

अनुगूंज कार्यक्रम को लेकर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने दिए निर्देश

नर्मदापुरम। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश के अनुसार नर्मदापुरम संभाग का अनुगूंज कार्यक्रम 10 जनवरी को शासकीय एस एन जी स्कूल में आयोजित किया जाएगा । कार्यक्रम को लेकर श्रीमती भावना दुबे संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग ने विभिन्न समितियो के प्रभारियों की बैठक ली तथा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों के कोरियोग्राफरों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। श्रीमती दुबे ने बताया कि विगत वर्षों में तीन सफल अनुगूंज कार्यक्रम आयोजित किए गए, यह चौथा अनुगूंज कार्यक्रम है। जिसमें समूह गान, नॉटय मंचन , समूह नृत्य, कला विधा पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अनुगूंज कार्यक्रम का मंच विद्यार्थियों को अपनी कला कौशल अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है। सभी समितियो के प्रभारी अपनी जवाबदारियों का निर्वहन कर कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए । साथ ही कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया बैठक मे उप संचालक श्रीमती ज्योति प्रहलादी, सहायक संचालक इन्दू बचले, रत्ना जैन, डीपीसी राजेश जायसवाल, प्राचार्य साधना बिल्थरिया, संदीप शुक्ला, बी पी पठारिया, संदीपन नीखर, विक्रम नरवरिया, राजेश शर्मा, कीर्ति शिवपुरिया, अनुपमा राय, कोरियोग्राफर, विभिन्न समिति के सदस्य मौजूद रहे।

12 करोड़ की भूमि अतिक्रमण मुफ़्त

गंजबासौदा। शासकीय भूमियों पर हुए अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान चलाकर अतिक्रमण मुक्त कर इन भूमियों को शासकीय प्रयोजन हेतु प्रयोग किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रशासन की टीम द्वारा जिले अंतर्गत शासकीय भूमियों को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है इसी कड़ी के तहत मंगलवार को बनवा में करोड़ों की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई । एसडीएम विजय राय ने बताया कि ग्राम बनवा में राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए साढ़े 12 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। एसडीएम विजय राय ने बताया कि बनवा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण था। उक्त भूमि पर हुए अतिक्रमण को तहसीलदार, हल्का पटवारी एवं पुलिस बल की सहायता से अतिक्रमण मुक्त कराया जाकर ग्राम बनवा में पीएचई विभाग के पानी की टंकी निर्माण हेतु भूमि को मौके पर उपलब्ध कराई गई । तथा शेष भूमि को नगरपालिका बासौदा के लिए प्रस्तावित थौक फल व सब्जी मण्डी हेतु सुरक्षित की गयी है। अतिक्रमण मुक्त कराई गयी भूमि का बाजार मूल्य बारह करोड पचपन लाख पचास हजार रुपये आंकलित किया गया है।

अवैध शराब परिवहन करते दो लोग गिरफ्तार, 7 पेटी अवैध शराब जप्त

तेंदूखेड़ा। पुलिस थाना अंतर्गत सोमवार अबैध शराब का परिवहन करते दो लोगों सहित सात पेटी अवैध शराब जप्त की गई है पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि अवैध शराब का परिवहन जबलपुर पाटन की ओर से 27 मील तेंदूखेड़ा तरफ किया जा रहा है अवैध शराब परिवहन की सूचना मिलने पर पुलिस स्टाफ दलबल के साथ 27 मिल की और रवाना हुआ 27 मील पहुंचकर चैकिंग लगाई गई इसी दौरान पाटन तरफ से एक नीले रंग की बिना नंबर की स्कूटी आते दिखी जिस पर दो व्यक्ति बैठे थे जो स्कूटी के आगे व पीछे दो बोरियां रखे थे ।जो पुलिस को देखकर तेंदूखेडा तरफ भागे जिसका पीछा कर स्कूटी को मैनरोड वन विभाग वेयरहाउस के पास रोका पूछताछ पर स्कूटी चालक ने अपना नाम पुनेश पिता स्व. चिन्दा यादव उम्र 22 साल निवासी न्यू हरदुली बरगीनगर थाना बरगी जिला जबलपुर एवं स्कूटी पर पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सागर पिता रज्जू उर्फ राजेश पटेल उम्र 21 साल निवासी न्यू हरदली बग्गीनगर थाना बरगी जिला जबलपुर हाल ग्राम जरौद थाना पाटन, जबलपुर का होना बताया। स्कूटी को चेक किया तो स्कूटी के आगे सफेद रंग की बोरी में 170 पाव लाल मसाला शराब एवं पीछे रखी पीले रंग की बोरी में 170 पाव देशी प्लेन शराब कुल 340 पाव देशी शराब कुल 61.2 लीटर कीमती 28900 रूपये एवं बिना नंबर की नीले रंग की सुजुकी कंपनी की स्कूटी कीमती करीब 50000/- रुपये की जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में शामिल रहा पुलिस बल थाना प्रभारी तेंदूखेडा निरी. विजय अहिरवार, प्रआर, 799 ब्रजेश तिवारी, प्रआर.510 रूपेश तिवारी, आर. 743 रंजीत राणा, आर. 314 शैलेन्द्र बघेल, आर. 724 बृजेश ठाकुर, आर.858 नंदलाल कुर्मी एवं सायबर सेल से प्रआर. राकेश अठ्या व आर. रोहित सिंह राजपूत का विशेष योगदान रहा।

जानकारी को छुपाने में मशगूल दफ्तर

नर्मदापुरम जिला शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर लगातार उठ रहे सवाल?

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कार्यकलाप इस समय चर्चा का विषय बने हुए हैं। कार्यालय से कोई भी जानकारी यदि नागरिक चाहते हैं तो उन्हें ना तो समय पर जानकारी मिलती है और नई वह जानकारी दिलाने में उत्सुक रहते हैं.

खासकर जब कोई सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जिला शिक्षा अधिकारी से जानकारी चाहते हैं तो कथित तौर पर इस अधिनियम के प्रावधानों के साथ खिलवाड़ करने से भीनहीं चूक रहे।

हाल में एक आरटीआई कार्यकर्ता ने बताया कि उसने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से माह अक्टूबर 2024 में जानकारी चाही थी. जिसको लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा आवेदक को राशि जमा करने

का पत्र जारी किया गया था. आवेदक ने समय अवधि में जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना प्राप्त करने के लिए राशि भी भेज दी. लेकिन उसे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से आज तक जानकारी नहीं प्राप्त हुई. यह सेवा नियम के विपरीत तो है ही साथ ही सूचना का अधिकार अधिनियम के साथ एक खिलवाड़ भी है. यह मामला अस्थाई गबन की श्रेणी में आता है. मामले को लेकर आवेदक द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कमिश्नर नर्मदापुरम को शिकायत भी की है.साथ ही

मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के समक्ष सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा 19(1) के तहत प्रथम अपील भी प्रस्तुत की है. प्रथम अपील को लेकर दो बार सुनवाई भी हो चुकी है लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा आज दिनांक तक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई. बल्कि अपील की सुनवाई में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से लोक सूचना अधिकारी अथवा सहायक लोक सूचना अधिकारी भी उपस्थित नहीं हुए.

निजी स्कूलों को दी मान्यता छुपा रहे अधिकारी

वर्तमान समय पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यकाल में कितने निजी स्कूलों को मान्यता दी गई है. इसकी जानकारी देने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी तैयार नहीं। सूत्रों की माने तो जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यकाल में जिन स्कूलों को मान्यता दी गई है उनमें अधिकांश स्कूलों में मान्यता संबंधी नियमों का पालन नहीं किया गया है और इसकी एवज में अच्छा खासा खेल भी हुआ है. जिले में कई निजी स्कूल ऐसे हैं जिन पर पात्रता संबंधित नियम कानून लागू ही नहीं हो रहे हैं।कई स्कूल ऐसे जिनके पास ना तो खेल मैदान है और ना ही अन्य सुविधाएं उपलब्ध है जो होना जरूरी है। जानकारी के मुताबिक

हाल ही में एक आवेदक ने जिला शिक्षा अधिकारी से एक स्कूल की जानकारी चाही।इस आवेदन को स्कूल के लिए अंतरित कर दिया गया. जबकि निजी स्कूलों में कोई लोक सूचना अधिकारी नियुक्त नहीं होते हैं और निजी स्कूल सूचना के अधिकार के दायरे में भी नहीं आते हैं. निजी स्कूलों की जानकारी यदि कोई चाहता है तो उसे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ही आवेदन देना पड़ता है ! इसके चलते नर्मदापुरम जिला शिक्षा अधिकारी कार्यकाल की जांच की मांग उठने लगीं हैं। सूत्रों की माने तो जिला शिक्षा विभाग में दलालों ने डेरा डाल रखा है. इन दलालों के माध्यम से निजी स्कूलों को मान्यता देने की कार्य प्रणाली जारी है।.

दूसरे दिन सिदार्थ ज्वेलर्स और राजा सुप्रकिंग ने जीते मैच

एस डी एम ने युवाओं का बढ़ाया मनोबल राज्यमंत्री के मार्गदर्शन मे पहली पर तेंदूखेड़ा मे शुरू हुआ रात्रि टूनामेंट

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा नगर में पांच जनवरी से टी पी एल नाइट किर्केट टूनामेंट का आयोजन नगर के उत्कृष्ट विद्यायल मे आरभ हुआ है रात्रि मे पहली बार आयोजित टूनामेंट क़ो लेकर नगर के लोगों क़ो बड़ा उत्साह है यह आयोजन जवेरा के विधयाक और प्रदेश के राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन और सतेन्द्र सिंह नितेंद्र सींग के सरक्षण मे चल रहा है

टूनामेंट के दूसरे दिन दो मैच खेले गये पहला मैच विधुत विभाग और सिद्धांर्थ जेब्लर्स के बीच खेला गया जबकि दूसरा मैच राजस्व विभाग और राजा सुपरकिंग के के बीच हुआ दूसरे मैच मे युवाओं का मनोबल बढ़ाने खुद तेंदूखेड़ा एस डी एम पहुँचे उन्होंने राजस्व विभाग की टीम से मैच खेला और अंत मे सभी नगर के युवाओं और कमेटी का आभार व्यक्त कराया जिन्होंने पहली बार युवाओं की मांग पर रात्रि टूनामेंट का नगर मे आयोजन कराया दूसरे दिन यानी सोमवार क़ो पहली शिप्ट साढ़े छ बजे से विधुत विभाग और सिदार्थ जेब्लर्स के बीच मैच खेला गया जिसमे पहले बल्लेबाजी विधुत विभाग ने की और दस ओवर मे आठ विकेट खोकर 49 रन बनाये जबाब मे सिद्धार्थ जेवलर्स ने यह लक्ष चार ओवर दो बालो मे ही पूरा करके जीत दर्ज की जिसका मैन आफ दा मैच देवेश साहू क़ो मिला।

दूसरा मैच राजस्व विभाग और राजा सुर्किंग के बीच खेला गया इस मैच मे राजा किंग ने पहले बच्चेबाजी करते हुये दस ओवर मे 116 रन छ विकेट के नुकसान पर बनाये जबाब मे राजस्व विभाग की टीम नो ओवर पांच बाला और 58 रन बनाकर ही आल आउट हो गई और राजा सुपरकिंग ने यह मैच 58 रन से जीत लिया मैच का मैन आफ दा मैच अनिल यादव क़ो मिला

सोमवार क़ो उत्कृष्ट स्कूल मे आयोजन टूनामेंट मे कमेटी के सदस्य मे हर्ष राजपूत सत्यम जैन लक्मण यादव सतेन्द्र जैन मे टूनामेंट के सरक्षण नितेंद्र सिंह उमेश यादव मौजूद रहे। टूनामेंट मे कमेंट्री का दयात्व साहिल अली अभिषेक मोदी चेतन जैन दुवारा किया गया अम्पायर की भूमिका सुदीप त्रिपाठी और बबलू घोसी ने निभाई

टूनामेंट के दौरान सांसद प्रतिनिधि मुरत सीग लोधी नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविद यादव दीपक कटारे राजू रसिया राजकुमार लोधी सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे जिन्होंने युवाओं और खेल प्रेमियों का मनोबल बढ़ाया।

टूनामेंट के दौरान सांसद प्रतिनिधि मुरत सीग लोधी नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविद यादव दीपक कटारे राजकुमार लोधी सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे जिन्होंने युवाओं और खेल प्रेमियों का मनोबल बढ़ाया

सुरेंद्र कुमार जैन नगर परिषद अध्यक्ष से कहा पहली बार रात्रि किर्केट टूनामेंट का आयोजन नगर मे हुआ है यह बड़े हर्ष की बात है मे राजमन्त्री उनके छोटे भाई नितेंद्र सिंह क़ो बधाई देता हु तेज ठंड मे भी इस टूनामेंट का आनद लेने बड़ी सख्या मे लोग पहुंच रहे है आगे और बेहतर तरिके से यह आयोजन करायेगे।

तेंदूखेड़ा एस डी एम सौरभ गंधर्व ने कहा खेल जीवन मे बहुत जरूरी है उसकी कोई उम्र नहीं होती तेंदूखेड़ा मेरे अनुविभाग मे है और मेरी पदस्थ के वह यह आयोजन सम्पन्न हुआ है यह बहुत हर्ष की बात है तेंदूखेड़ा नगर में एक से बढ़कर एक बेहतर खिलाड़ी है जिनका प्रदर्शन मैंने देखा है यह बहुत खुशी बात है।

ऑटो चालकों ने प्रदर्शन कर लगाया जाम, लोगों को हुई परेशानी

गंजबासौदा। मंगलवार सुबह ऑटो चालकों ने स्टेशन परिसर के बाहर मुख्य गेट पर अपने-अपने ऑटो खड़े करके जाम लगा दिया। जिससे रेलवे स्टेशन आने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऑटो चालकों का कहना था कि रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य के चलते ऑटो स्टेशन परिसर के बाहर खड़े होते थे लेकिन स्टेशन परिसर के बाहर भी मुख्य सड़क पर ऑटो खड़े करने में भी जाम लगता था जगह कम होने के चलते सड़क पर ऑटो खड़े होते थे जिससे भी वाहन चालकों को नागरिकों को आने-जाने में असुविधा होती थी। इसी बात से आक्रोशित ऑटो चालकों ने करीब 1 घंटे तक जाम लगाकर प्रदर्शन किया। चालकों का कहना था कि स्टेशन परिसर के बाहर सवारियों का इंतजार करते थे लेकिन सवारियां नहीं मिलती थी और स्टेशन परिसर के अंदर ऑटो खड़े नहीं होने देते थे।हालांकि रेलवे के अधिकारियों से ऑटो खड़े होने की बात होने बाद ऑटो चालकों ने जाम हटा लिया था।

मेट्रो एंकर | नपा के तत्वावधान में डीएचए द्वारा अभा महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता

रोमांचक मुकाबले में अमरावती ने सैफ उप्र को हराया

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में यहां गांधी मैदान पर खेली जा रही अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता में आज तीन मैच खेले गये। तीसरा मैच बेहद रोमाचंक रहा। एक वक्त तक मजबूती से 1-0 से आगे चल रही सैफई उत्तर प्रदेश की टीम को मैच के अंतिम पलों में अमरावती से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिली और अमरावती ने एक गोल करके मैच बराबरी पर ला खड़ा किया। 8 सैकंड के नियम से मैच का फैसला कराया। इसमें पांच-पांच मौके मिले तो दोनों टीमें फिर बराबरी पर आ गयीं। फिर सडन डेथ में आखिरकार अमरावती ने एक गोल करके मैच अपने हक में कर लिया। पूरे वक्त

दोनों टीमों ने बेहद शानदार हॉकी खेलकर दर्शकों को रोमांचित किया। आखिरकार जीत अमरावती के हाथ लगी।

पहला मैच केनरा बैंक बैंगलुरु और इटारसी बी के मध्य खेला गया। इटारसी की बी टीम ने अपने से कहीं मजबूत टीम बैंगलुरु को कड़ी टक्कर दी। दूसरे क्वार्टर में बैंगलुरु के एक चेलसी ने पहला गोल किया। इटारसी के मोहम्मद गाजी के पास पर गिरीश ने गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया। मध्यांतर तक दोनों टीमें 1-1 गोल से बराबर रहीं। दूसरे हाफ में बैंगलुरु के पृथ्वीराज ने दूसरा गोल किया और अंतिम समय तक इस स्कोर का बनाये रखा। मैच में मीडिया से अनिल मिहानी, कृष्णा राजपूत, कन्हैया गोस्वामी, सुधांशु मिश्र, अरविंद शर्मा, शैलेन्द्र पाली, गिरीश पटेल, राजकुमार बावरिया, राजेन्द्र गोस्वामी, राकेश पटेल, रामबाबू अहिरवार, कुशल नवथले, खेमराज परिहार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दीं।

दूसरा मैच हॉकी स्पोर्ट्स क्लब रायपुर छत्तीसगढ़ और साई हॉस्टल कुरुक्षेत्र हरियाणा के मध्य खेला गया। इस मैच को हरियाणा ने 5-2 से जीता। डॉ. आरके चौधरी, डॉ. पीएम पहारिया, डॉ. केएल जैसवानी, डॉ. नमित चौहान, डॉ. गौरव चौबे, डॉ. अनिकेत सिंह, डॉ. रूपेश गौर, डॉ. आकाश साहू, अधिवक्ता संघ से अध्यक्ष रमेश राजपूत और पूर्व अध्यक्ष संतोष गुरयानी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

तीसरा मैच बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव भरा रहा। अंतिम सीटी बजने तक दोनों टीमें 1-1 गोल की बराबरी पर रही। 8 सैकंड के शूट में अमरावती ने 4-3 से विजय हासिल की। मैच में वरिष्ठ भाजपा नेता विश्वनाथ सिंघल, दीपक हरिनारायण अग्रवाल, भरत वर्मा, डॉ. नीरज जैन, दीपक अठौत्रा, संदेश मालोनिया, अर्जुन भोला, पार्थ राजपूत, सौरभ मेहरा, हैप्पी शर्मा, संजय राय चौधरी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। डीएचए अध्यक्ष प्रशांत जैन, सचिव कन्हैया गुरयानी, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सैनी, रविन्द्र जोशी, जयराज सिंह भानू, डॉ. ताविश अरोरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

नपा के ततकालीन आरआई व कर्मचारी फर्जी प्लॉट रजिस्ट्री मामले में गिरफ्तार

इटारसी। शहर की प्रियदर्शनी कॉलोनी में 2018 में एक फर्जी रजिस्ट्री के मामले में पुलिस ने 2019 में रजिस्ट्री करने वालों नगरपालिका के आरआई एवं एक अन्य कर्मचारी के खिलाफ फरियादी शंकर रसाल की शिकायत पर सिटी पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले में विवादित दस्तावेज की जांच रिपोर्ट आने पर नगर पालिका के रिटायर्ड तत्कालीन आरआई संजय दीक्षित एवं हरिओम उपाध्याय को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। पूर्व में दोनों नगर पालिका के कर्मचारियों के खिलाफ सिटी पुलिस ने फरियादी शंकर रसाल की शिकायत पर धारा 420,467,468,120क्ष्471 एवं 34 का मामला दर्ज किया था, इन दोनों की गिरफ्तारी इसलिए नहीं हो पाई थी। क्योंकि कुछ विवादित दस्तावेज थे, उनकी जांच होने के कारण इनकी गिरफ्तारी में इतना विलम हो गया। मंगलवार को सिटी पुलिस ने संजय दीक्षित को भोपाल से एवं हरिओम उपाध्याय को इटारसी निवास से गिरफ्तार किया है। आज न्यायालय में पेश किया जा रहा है।। उक्त मामला फर्जी रजिस्ट्री का है और इन लोगों ने फर्जी रजिस्ट्री फरियादी शंकर रसाल से 9 लाख रुपये लेकर की थी।जबकि दोनों नगरपालिका के कर्मचारियों ने शंकर रसाल से 9 लाख रुपये लेकर प्लॉट क्रमांक एल आई जी 80/ बताकर फर्जी रजिस्ट्री कर दी थी।जबकि उक्त प्लॉट वहा मौजूद ही नही था।

दोनों आरोपी नगरपालिका से रिटायर्ड हो चुके

महिला बाल विकास दफ्तर में जांच करने पहुंचे अफसर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कुरवाई महिला एवं बाल विकास कार्यालय का एक वीडियो वायरल होने के बाद लोकल समाचार पत्रों में समाचार प्रकाशित किए गए थे जिसकी जांच करने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत द्वारा कुरवाई महिला बाल विकास कार्यालय में सहायक संचालक महिला बाल विकास विदिशा विवेक शर्मा, एवं संजय सिंह परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विदिशा शहरी को जांच करने हेतु भेजा भेजा गया जांच उपरांत सहायक संचालक विवेक शर्मा द्वारा मीडिया से चर्चा के दौरान बताया गया कि पूर्व के दिनों मे वायरल एक वीडियो और समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों को संज्ञान में लेकर जांच हेतु कार्यालय में उपस्थित हुए थे जहां सभी पर्यवेक्षकों के कथन दिए गए हैं अधिकांश पर्यवेक्षकों ने कथन दिए हैं जिसमें पाया गया है कि कार्यालय परिसर में सर्व सुविधा हेतु एक वाटर आरओ

सिस्टम की स्थापना की गई है पानी की लाइन फिटिंग एवं पानी की टंकी को लगवाया गया था जिसके लिए सभी पर्यवेक्षकों ने कलेक्शन किया था जिसमें सभी पर्यवेक्षकों द्वारा सहयोग दिया गया था इसी दौरान किसी सुपरवाइजर ने एक वीडियो बनाकर वायरल कर दिया है एवं वह वीडियो पुराना एवं तथ्यहीन है प्रथम दृष्टि में यही सामने आया है कि यह वीडियो सिर्फ सहयोग राशि एकत्रित करने का है इसकी आगे भी जिला स्तर पर पर्यवेक्षकों के कथन लेकर जांच की जा रही है।

कार्यालय के भृत्य में शराब पीकर किया उत्पात

महिला बाल विकास कार्यालय में सहायक संचालक विवेक शर्मा जब मीडिया से चर्चा कर रहे थे इसी दौरान कार्यालय के भृत्य जो अवकाश पर थे बबलू सिंह मीणा कार्यालय में आकर उत्पाद मचा दिया भृत्य बबलू सिंह मीणा के इस उत्पाद को देखकर जांच करने आए अधिकारी भी अचंभित रह गए कार्यालय इस दौरान लगभग एक दर्जन से अधिक महिला पर्यवेक्षक और महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी फिरदौस अख्तर राइन मौजूद थी जांच करने आए अधिकारी सहायक संचालक विवेक शर्मा ने तत्काल परियोजना अधिकारी को पुलिस को सूचना देने के लिए कहा परिवार अधिकारी द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई पुलिस जब तक पहुंची तो भृत्य बबलू सिंह मीणा फरार हो गया कार्यालय के आसपास पुलिस देर शाम तक भृत्य बबलू सिंह मीणा की तलाश करती रही कार्यालय की महिला कर्मचारियों में भय माहौल बना रहा शराबी भृत्य बबलू सिंह मीणा के उत्पाद को लेकर सहायक संचालक विवेक शर्मा ने बताया कि परियोजना अधिकारी को भृत्य बबलू सिंह मीणा पर विभागीय कार्रवाई और पुलिस कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है हमारे द्वारा भी इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी से जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत जी को अवगत कराया जाएगा

नायब तहसीलदार ने दिया प्रतिवेदन, कलेक्टर निर्देश पर ही होगी कार्रवाई

पथरिया-सियपुर में अवैध कॉलोनियों का विक्रय हो सकता है प्र्रतिबंधित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पथरिया सियलपुर में अवैध रूप से कट रही चार कॉलोनियों को तो एसडीएम ने पहले ही विक्रय से प्रतिबद्ध कर दिया था जो कालोनियां शेष रहेगा बची हुई है उन पर कार्रवाई नहीं की जा रही थी जिसका समाचार हमारे संवाददाता ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था इसके बाद एसडीएम ने नायब तहसीलदार से इन अवैध कॉलोनी का जांच प्रतिवेदन मांगा था सोमवार को नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल ने दो और सर्वे नंबरों की जांच के बाद कार्रवाई के लिए जांच प्रतिवेदन एसडीएम को दिया है। इसके बाद इन नंबरों को भी एसडीएम के द्वारा विक्रय से प्रतिबंधित किया जा सकता है। हमारे संवाददाता द्वारा जनहित में लगातार अवैध कॉलोनी का मामला प्रकाशित करके जनता खेत में उनकी समस्याओं को उजागर करके प्रशासन के सामने रखने कार्य की जा रहा है। कलेक्टर रोशन सिंह के निर्देश पर अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई चल रही है। वहीं विगत दिनों एसडीएम ने पथरिया में 4 कॉलोनियों को विक्रय से प्रतिबंधित किया था बाकी कॉलोनीयों जो अवैध रूप से कट रही है इन पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई संबंधित अधिकारियों ने इन कॉलोनी का जांच प्रतिवेदन बनाकर आगे कार्रवाई के लिए पटवारी और तहसीलदार के द्वारा नहीं दिया गया है। इस वजह से इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है प्रशासन के द्वारा पक्षपात पूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया है जिसकी चर्चा भी हो रही है।

सियलपुर मार्ग पर कट रही अवैध कॉलोनी को काटने वालों को शायद राजनीतिक और कई प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों संरक्षण प्राप्त है तभी तो इन कॉलोनी को काटने वालों पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है इस वजह से चर्चाएं हो रही हैं, आखिर इन कॉलोनी में ऐसा क्या कारण है कि चार कार्रवाई 6 पर पर मेहरबानी। इसी बात का फायदा उठाकर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले जनता को मूर्ख बनाकर प्लांट बेच देते हैं फिर यहां पर कोई काम नहीं करवाते हैं इस कारण से इन कॉलोनी रहने वाले लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होते हैं। यहां सब शासन के अधिकारियों के ढीले रवैया के चलते होता है इसी बात का फायदा उठाकर अवैध रूप से कॉलोनियों काटने इस धंधे को अंजाम दें रहे हैं। पहले तो नगर में ही अवैध कॉलोनी काटी जाती थी अब नगर के अलावा उप तहसीलों में भी तेजी से इस काम को किया जा रहा है। कलेक्टर, एसडीएम के निर्देश पर पथरिया में अवैध रूप से कॉलोनी काटने पर चार कॉलोनियों को विक्रय से प्रतिबंधित कर दिया दूसरी ओर सियलपुर रोड पर बना रही अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की इस वजह से उक्त कार्रवाई को लेकर प्रशासन के अधिकारियों पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों को यहां कि सभी अवैध कॉलोनियों पर करवाई करनी चाहिए थी लेकिन चार पर कर्रवाई करके 6 छोड़ दिया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर ही आगे हो सकती है कार्रवाई

शहर मैं भी अवैध रूप चारों तरफ कॉलोनियां पनप रहीं हैं इन पर कार्रवाई की हिम्मत भी लंबे समय के बाद कलेक्टर रोशन सिंह ने दिखाते हुए कार्रवाई प्रारंभ करवाई थी पर नोटिस से आगे कार्रवाई नहीं बढ़ रही है इस वजह से इन कॉलेज नजर को कोई डर नहीं है अभी भी बाय अपने काम को अंजाम देकर जनता को चूना लगा रहे हैं। इन कॉलोनी में रहने वाले लोगों का कहना है कि कलेक्टर को ठोस कदम उठाने होंगे तभी यह लोग मानेंगे इसके लिए इनको सबसे पहले विक्रय से प्रतिबंध भी करना पड़ेगा। इन अवैध कॉलोनी में प्लांट लेकर मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे रहवासियों को कलेक्टर से बड़ी उम्मीद है।

2 महीने बीतने वाले हैं नोटिस से कब होगी करवाई

हमारे संवाददाता द्वारा लगातार अवैध रूप काटी जा रही कॉलोनी का मामला प्रमुखता से लगातार प्रकाशित किया था इसके बाद कलेक्टर ने आम जनता से जुड़े मामले को संज्ञान में लेते हुए अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करने के लिए एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए थे। गेट आदि तोड़ने की कार्रवाई भी मौके पर हुई दूसरी ओर 2 महीने पहले कलेक्टर के निर्देश पर शहरी क्षेत्र में 56 कॉलोनी नाइजरो को तहसीलदार ने नोटिस दिए थे। नोटिस के बाद भी आगे कार्रवाई नहीं हो रही है इस वजह से कई तरह के सवालों भी खड़े हो रहा है, इतने दिनों में जवाब नहीं दिया तो आगे की कार्रवाई होनी थी लेकिन नहीं की जा रही है। इस वजह से कई तरह के सवाल खड़े होना भी लाजमी है आखिर नोटिस के बाद जवाब नहीं देने वाले अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करके जनता को सुविधा दिलवाने का काम भी करवाना चाहिए था साथ ही सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचाने पर जुर्माना भी किया जाए जिसकी भविष्य में अवैध रूप से कॉलोनी ना काटने का कार्य करे।

इनका कहना है

"पथरिया-सियलपुर के दो और सर्वे नंबरों की जांच करके प्रतिवेदन बनाकर कार्रवाई के लिए एसडीएम को दिया है वहीं से आगे कार्रवाई होगी।

-विकास अग्रवाल, नायब तहसीलदार

सभी 56 अवैध कॉलोनीयों के जवाब आ गए हैं आगे की कार्रवाई के लिए प्रतिबंध बनाकर एसडीएम को दे दिया है वहां से आगे कार्रवाई के लिए कलेक्टर को भेजा जाएगा उसके बाद ही आगे इन पर कार्रवाई होगी।"

-संजय चौरसिया, तहसीलदार

नपा ने पालीवाल कॉलोनी के गड्ढे को कराया बंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो — खबर का असर

सिरोंज। पालीवाल कॉलोनी के रास्ते पर ठेकेदार लापरवाही से काम को अंजाम दिया जा रहा है रास्ते पर एक जगह खुदाई करके उसको लेवल नहीं किया जा रहा था। खुदा हुआ गढ्ढा दुर्घटना को दावत दे रहा था जिसकी खबर मंगलवार के अंक में प्रदेश प्रकाशित की थी इसके बाद नगर पालिका सीएमओ ने खबर को संज्ञान में लेते हुए खोदकर छोड़े गए गड्ढे को तत्काल बंद करवाया यहां पर पिछले कर 15 दिनों से आसपास लोग ठेकेदार से इसको बंद करवाने की मांग कर रहे थे पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा था 181 शिकायत को भी गंभीरता से नहीं ले रहे थे। इनकी वजह से प्रतिदिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी किसी दिन बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती थी सबसे बड़ी बात तो यहां कि शिकायतों को कई दिनों के बाद काम को नहीं किया जाता है। 15 दिन पहले यहां पर खुदाई करने के बाद उसको इसी तरह छोड़ दिया गया इस वजह से मोहल्ले के लोगों को आने-जाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

रात में या गड्ढा दिखाई नहीं देने वाहन भी गिर रहे थे। सबसे ज्यादा परेशानी रात्रि में अंधेरा होने के कारण दो पहिया वाहन चालकों यहां दिखाई नहीं देता है इस वजह से इनके वाहन दुर्घटना का शिकार भी हो रहे हैं। दूसरी और शहर में इस तरह की लापरवाही और भी कई जगह देखने को मिल जाएगी जहां पर ठेकेदारों के द्वारा खुदाई करके छोड़ दिया गया है। इस वजह से आम जनता को परेशानी हो रही है, इस तरफ जिम्मेदार अधिकारियों को ध्यान दे चाहिए जिससे की जनता को परेशानी ना हो।

फिर लौटी ठंड घने कोहरे की चादर में टंका शहर

सिरोंज। 2 दिनों से सुबह की शुरुआत कोहरे से हो रही है मंगलवार को भी को भी कोहरे का असर देखने को मिला आसपास का भी नजर नहीं आ रहा था बड़े वाहन चालक को भी वाहन चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जबकि लाइटे जलकर वाहन चला रहे थे। फिर भी कुछ नजर नहीं आ रहा था 2 दिनों से सुबह शुरुआत घने कोहरे से हो रही इसका असर सुबह 10 बजे तक इसका असर रहा है। इसके बाद सूर्य देवता के दर्शन हुए वहीं कुछ देर के बाद बादलों ने सूर्य देवता को अपने आगोश में ले लिया दिनभर बादलों की लुकाछिपी चलती रही। ठंडक बढ़ जाने से वाहन चलाने में मुश्किल हो रही है। दो दिनों से कप-कप देने वाली सर्दी पड़ रही है घरों से निकलने में भी हालत खराब हो रही है। मौसम में हो रहे बदलाव के बाद सर्दी जुकाम से भी लोग पीड़ित हो रहे हैं। दूसरी ओर ठंड लौटने से किसानों के चेहरे पर भी रौनक देखने को मिल रही है। सर्दी अच्छी पढ़ने से फसलों के उत्पादन भी वृद्धि होगी पानी की कमी के बाद भी अच्छी फसल आ सकती है। ठंड से बचने की लोग दिन भर आग जलाकर हाथ सकते हुए नजर आए।

प्रशिक्षण में पॉक्सो एक्ट विषय पर दी विस्तृत जानकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। विदिशा शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय विदिशा में आज जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015, पॉक्सो एक्ट 2012 एवं कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम 2013 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला जज श्री मसूद अहमद खान, किशोर न्याय बोर्ड से प्रधान मजिस्ट्रेट श्रीमती कला भम्मरकर, लॉ इंटर्न श्री विश्व राजपूत, महिला एवं बाल विकास से विधि सह परिविक्षा अधिकारी श्री श्याम शर्मा, श्री संतोष रघुवंशी, अरविन्द मिश्रा उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में उपस्थित नर्सिंग स्टॉफ को जिला जज श्री मसूद अहमद खान द्वारा पॉक्सो पीड़ित को दी जाने वाली पीड़ित प्रतीकर के विषय में बताया गया तथा प्रधान मजिस्ट्रेट श्रीमती कला भम्मरकर, किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो एक्ट विषय में विस्तार से बताया गया।

संभागीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन 21 तक आमंत्रित,

प्रवेश परीक्षा 18 फरवरी को

सिरोंज। विदिशा प्रदेश के प्रतिभाशाली अनुसूचित जाति वर्ग के कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों की बेहतर पढ़ाई हेतु संभागीय मुख्यालयों पर सर्वसुविधायुक्त आवासीय विद्यालयों का संचालन अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। इन विद्यालयों में नि:शुल्क अध्ययन, राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट की तैयारी, आवास, भोजन, गणवेश, खेल, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों की सुविधाएँ उपलब्ध है। भोपाल संभाग का ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय कटरा हिल्स भोपाल पर सर्वसुविधायुक्त विद्यालय भवन में संचालित है। इस विद्यालय की कक्षा 6 के लिए सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। प्रवेश के लिए परीक्षा 18 फरवरी 2025 को आयोजित होगी। प्रवेश परीक्षा हेतु चालू शिक्षा सत्र 2024-25 की कक्षा 5 में अध्ययनरत विद्यार्थी अपना आवेदन एमपीटास पोर्टल ीजजचेरूध्ध्.जतपइंस. उच.हवअ.पदध्उचजेब पर 21 जनवरी 2025 तक आन लाइन दर्ज कर सकेंगे। आवेदन में कोई संशोधन किया जाना आवश्यक हो, उसे 27 जनवरी 2025 तक किया जा सकेगा। परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र 10 फरवरी 2025 तक से डाउनलोड किये जा सकेगे। ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय भोपाल में सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जाति के 36 बालक तथा 36 बालिकाओं अन्य वर्गों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के 4 बालक तथा 4 बालिकाओं के प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं।

अवैध अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई करने से क्यों डर रहा वन विभाग, आखिरकार किसके दवाब में है अफसर

वन विभाग की उदासीनता और वन अमले की निष्क्रियता से पनप रहा जंगल माफिया

■ क्या लटेरी के वन माफियाओ को है राजनीतिक संरक्षण प्राप्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लटेरी वन अमले की लापरवाही, जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और लक्कड़ चोरों के बुलंद होंसले की भेंट चढ़ रहा है लटेरी का सागौन। बुजुर्ग बताते हैं कि लटेरी क्षेत्र के जंगलों में सागौन की एक प्रमुख वैराइटी (पीला सागौन) पाई जाती है। फर्नीचर के लिए यह पीला सागौन वरदान है, चूंकि यह लकड़ी स्वतरू तेल छोड़ती है इसलिए दीमक एवं अन्य कीट व्याधि से यह लकड़ी पूर्ण सुरक्षित रहती है, तथा लटेरी क्षेत्र में अनेकों पुराने मकानों में यह लकड़ी लगभग 100 सालों से आजतक सुरक्षित लगी हुई है। यही प्रसिद्धि इस लकड़ी के जंगल के लिए अभिशाप बन गई है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लेकर निकटवर्ती राज्य राजस्थान में बेरोकटोक धड़ल्ले से लटेरी के जंगलों से सागौन का अवैध परिवहन निरंतर किया जा रहा है। इधर वन विभाग कुंभकर्णी नींद में सो रहा है। वन विकास निगम के द्वारा हजारों एकड़ भूमि पर से पेड़ काटकर नवीन पौधारोपण की योजना बनाई थी, परंतु वह वन विनाश निगम साबित हुआ। लटेरी के जंगल चीख रहे हैं और वन विभाग, जनप्रतिनिधि तथा आमजन कान बंद कर सो रहे हैं। यह विनाश की चेतावनी है।

वन कर्मियों की मिली भगत सें खत्म हो हरे-भरे जंगल

यह कहना भी अतिश्योक्ति नहीं होगा कि जंगलों की कटाई में वन विभाग की संलिप्ता न हो, विना वन विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से इतने बड़े स्तर पर पर कटाई होना ओर वन भूमि पर अतिक्रमण होना संभव नहीं है, मीडिया द्वारा लगातार वन भूमि को बचाने अतिक्रमण को रोकने की खबरें निरंतर प्रकाशित की जा रही है, फिर भी वन विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है, वन अमले को तो सिर्फ ऊपरी कमाई से मतलब है, अवैध वन भूमि अतिक्रमण के संबंध में हमारे द्वारा कई बार जिले एवं प्रदेश में बैठे अधिकारियों से बात हुई है लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हमेशा रटा हुआ जवाब दिया जाता है कि आपके द्वारा जानकारी मिली है,स्टाफ को भेजकर कार्यवाही करवाते है। साहब हम आपसे पूछना चाहते है कि जब आपको हमारे द्वारा जानकारी मिली है तो आपने लटेरी में सैकड़ों की संख्या में स्टाफ क्यों रख रखा है, आप इनको सिर्फ बाजार घूमने की सैलरी क्यों दे रहे है।

एक कहावत है कि रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी बजा रहा था- लकड़ी चोरों के होंसले इतने बुलंद हैं कि वन परिक्षेत्र अधिकारीयों (रेंजर तथा नाकेदार) के कंट्रोल से सबकुछ बाहर है। लटेरी के जंगलों को आवश्यकता है कि वन विभाग के प्रदेश स्तरीय अधिकारी इस मामले को सीधे अपने हाथ में लेकर उचित प्रबंधन करें। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह करता है कि क्षेत्र के जंगलों को बचाने के लिए संपूर्ण प्रयास करें।

लटेरी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत दो परिक्षेत्र आते हैं। उत्तर वन परिक्षेत्र एवं दक्षिण वन परिक्षेत्र। दोनों ही वन परिक्षेत्रों में स्थितियां गंभीरतम हैं। हजारों एकड़ भूमि दबंगों और रसूखदारों द्वारा नाकेदारों की सांठगांठ से कब्जा कर रखी है जिस पर खेती की जा रही है। हद तो तब हो रही है कि वन विभाग की भूमि पर निजी ट्यूबवैल और निजी डीपी भी रखा लीं गई हैं। वन विभाग भ्रष्टाचार में लिप्त है। पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र की खुशहाली के लिए का निवेदन है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं वन विभाग मध्यप्रदेश के सर्वोच्च अधिकारी लटेरी वन परिक्षेत्र में सीधा दखल करें तथा इस अनमोल जंगल को कटने से बचायें।

लटेरी के दक्षिण वन परिक्षेत्र में सबसे बुरे हाल है कंपाउंडमेंट नंबर 327 के यह कंपाउंडमेंट मात्र कागजों में जीवित बचा है, धरातल पर खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। इसको अतिक्रमण धारियों ने सम्पूर्ण तरीके से आवाद कर अपनी फसलें बोई जा रही हैं। वन अमला कार्यवाही के नाम पर नोटिस नोटिस खेल रहा है। मीडिया द्वारा बार बार खबरें प्रकाशित करने के बाद भी वन विभाग के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। इसी का फायदा उठाकर वन भू माफिया जंगल का सफाया करने में लगे हुए है। इस कंपाउंडमेंट में सागौन की जितनी की कटाई हुई है ओर वन भूमि पर अतिक्रमण हुआ है। उसमें वन विभाग के नाकेदार डिप्टी रेंजर से रेंजर और एसडीओपी सभी भी मिली भगत सामने आ रही हैं क्योंकि कंपाउंड मेट 327 की शिकायत लटेरी रेंज से लेकर विदिशा तक की जा चुकी है, वन कर्मियों द्वारा अवाद की गई भूमि का सर्वे भी कर लिया है, वन विभाग के कर्मचारी भी मान रहे है कि इस कंपाउंड मेट में लटेरी रेंज के ओर कंपाउंड मेट से जायदा अतिक्रमण हुआ है, फिर भी अतिक्रमण हटाने के नाम पर बगलें झांकी जा रही है।

लटेरी वन अमले में पदस्थ लोकल कर्मचारी जमे है सालों से

वन भूमि पर अवैध कटाई एवं अवैध अतिक्रमण का महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि लटेरी के दोनों वन परिक्षेत्र उत्तर एवं दक्षिण में नाकेदार ओर डिप्टी रेंजर यह सभी कर्मचारी लोकल के है, नौकरी लगने बाद से यह लोग यहीं पर जमे हुए थे, प्रत्येक गांव में इनकी जान पहचान है, इसी का फायदा वन स्टाफ द्वारा उठाए जा रहा है। और लटेरी वन अमले का लोकल स्टाफ वरिष्ठ अधिकारियों को भी गलत सूचना देकर गुमराह करता है। लटेरी के लोकल स्टाफ द्वारा अवैध अतिक्रमण एवं अवैध वन भूमि पर कब्जे को लेकर मोटी कमाई की जा रही है। जिले स्तर से अगर लोकल स्टाफ की ईमानदारी से जांच कराई जाए तो कई नाकेदार डिप्टी रेंजर अवैध वन कटाई एवं अवैध अतिक्रमण में हिस्सेदार निकलेंगे। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लटेरी में सालों से जमे हुए लोकल स्टाफ का अगर ट्रांसफर बाहर नहीं कराया गया तो वन भूमि एवं जंगल को बचाना असंभव है।

क्या कहते है जिम्मेदार

"लटेरी क्षेत्र में वास्तव में अवैध अतिक्रमण और जंगल कटाई की स्थितियां गंभीर हैं। मेने तो अभी अभी चार्ज लिया है, एक दिन में स्वयं आकर जंगल कटाई और अवैध अतिक्रमण का निरीक्षण करूंगा, जिन कर्मचारियों द्वारा कार्य वाही नहीं जा रही है या जिनकी शह पर अतिक्रमण किया जा रहा है उनके खिलाफ भी कार्य वाही की जाएगी।"

– **हेमंत यादवस** नवागत डीएफओ विदिशा

विमेंस प्रीमियर लीग लखनऊ और बड़ौदा में होगी

वेन्यू फाइनल किए, 2 फेज में टूर्नामेंट 6 या 7 फरवरी को होगा पहला मैच

नईदिल्ली. एजेंसी

डब्ल्यूपीएल सीजन-3 का फाइनल 8 या 9 मार्च को होगा।

विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के लिए बीसीसीआई ने 2 वेन्यू फाइनल कर लिए हैं। बड़ौदा और लखनऊ में 5 टीमों के बीच सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 6 या 7 फरवरी से शुरू हो सकता है। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच होंगे, जिनमें क्वालिफायर और फाइनल भी शामिल हैं। टूर्नामेंट का ऑफिशियल शेड्यूल रिलीज होना बाकी है। हालांकि, बोर्ड ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को उनके ग्राउंड पर मैच कराने की जानकारी दे दी है। शेड्यूल का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कुछ ही दिनों में हो जाएगा है। बड़ौदा के कोटाम्बी स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिसंबर 2024 में विमेंस वनडे के 3 मैच खेले गए थे। बड़ौदा में विमेंस इंटरनेशनल मैच हुआ था बड़ौदा में कोटाम्बी स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने ही हुआ था। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैच खेला गया था। यहां 3 वनडे हुए थे। इस स्टेडियम में सीनियर विमेंस टी-20 टूर्नामेंट और रणजी ट्रॉफी के मैच भी हो चुके हैं।

स्टेडियम में फ्लड लाइट्स लग चुके हैं। 9 जनवरी से शुरू होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैच यहां होंगे, इसमें इन लाइट्स की टेस्टिंग भी हो जाएगी। 23 मैच होंगे डब्ल्यूपीएल के शुरुआती 2 सीजन में 5 टीमों के बीच 23-23 मैच खेले गए थे। इस बार भी 23 मैच ही होंगे, जिसके लिए लखनऊ का इकाना स्टेडियम पहला ऑप्शन है। जहां फर्स्ट फेज के 10 या 11 मैच खेले जाएंगे। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 8 या 9 मार्च को हो सकता है। जिसके बाद 14 मार्च से ही आईपीएल भी शुरू हो जाएगा। डब्ल्यूपीएल का पहला सीजन मुंबई में ही हुआ था। जबकि दूसरे सीजन में बेंगलुरु और दिल्ली को वेन्यू बनाया गया था। बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, वहीं मुंबई ने पहले सीजन का खिताब जीता था। दोनों फाइनल में दिल्ली को ही हार मिली।

फॉर्म रोहित शर्मा और विराट की खराब, कोच गंभीर की बढ़ी मुश्किलें

हार के बाद गंभीर से सवाल-जवाब करेगा बीसीसीआई

नईदिल्ली. एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि इस दौरे पर टीम इंडिया की हार की सबसे बड़ी वजह रोहित शर्मा और विराट कोहली की खराब फॉर्म रही है, लेकिन सवाल गंभीर पर उठ रहे हैं। ऑस्ट्रेलया दौरे से पहले टीम इंडिया को अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी थी। एक रिपोर्ट के तहत, बीसीसीआइ भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर जल्द गंभीर से बातचीत करेगा।

12 जनवरी को बोर्ड की एसजीएमः बीसीसीआइ ने 12 जनवरी को मुंबई बोर्ड की विशेष जनरल मीटिंग (एसजीएम) बुलाई है। इस बैठक के दौरान बोर्ड के कुछ पदों के लिए चुनाव कराए जाएंगे। रिपोर्ट के तहत, इस बैठक के दौरान कोच गंभीर और टीम के सपोर्ट स्टाफ पर भी बातचीत की जाएगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य और संन्यास के बारे में काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो बीसीसीआइ सचिव देवाजीत सेकिया जल्द मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से विराट और रोहित के भविष्य के बारे में बातचीत करेंगे। भारतीय टीम को अगली टेस्ट सीरीज जून में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में खेलनी है।

कोंस्टास ने बुमराह से माफी मांगी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के 19 वर्षीय युवा ओपनर सैम कोंस्टास और भारतीय दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बीच सीरीज के पाचवें व आखिरी टेस्ट में काफी टकराव देखने को मिला था। अब कोंस्टास ने बुमराह से माफी मांगी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, मैं अपनी गलती मानता हूं। मुझे वहां ऐसा नहीं करना चाहिए था। बुमराह एक लीजेंड हैं और मेरे साथ हुई बहस के बाद उन्होंने अगली ही गेंद पर विकेट ले लिया। मैं मानता हूं कि मेरी वजह से उस्मान ख्वाजा को अपना विकेट गंवाना पड़ा था।

इंग्लिश प्रीमियर लीग: डिएलो के गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को चौथी हार से बचाया

टॉप पर स्थित लिवरपूल को 2-2 से बराबरी पर रोका

लंदन. एजेंसी

मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल के बीच रविवार रात यहां खेला गया इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का डर्बी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और आखिर में 2-2 के स्कोर संग ड्रॉ हो गया। 19 मैच में लिवरपूल ने 14 जीते, एक हारा, 4 ड्रॉ खेले20 मैच में यूनाइटेड ने 06 जीते, 09 हारे व 05 ड्रॉ खेले

जीत का सपना टूटाः मैनचेस्टर यूनाइटेड का लिवरपूल को उसके घर में हराने का सपना फिर टूट गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम पिछले 10 मैचों में लिवरपूल को उसके घरेलू मैदान पर हरा नहीं सकी है। इस दौरान मैनचेस्टर यूनाइटेड को पांच मैचों में हार मिली और पांच ड्रॉ रहे।

लिवरपूल टीम का विजय अभियान थमाः लिवरपूल की टीम ने तीन जीत के बाद ड्रॉ खेला। हालांकि 79वें मिनट तक शीर्ष पर काबिज लिवरपूल 2-1 से आगे थी लेकिन अमाड डिएलो के 80वें मिनट में किए गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड को लगातार चौथी हार से बचा लिया। 13वें स्थान पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पहला गोल 52वें मिनट में लियाड्रो मार्टिनेज ने दागा। लिवरपूल के लिए कोडी गाकपो और मोहम्मद सालाह ने एक-एक गोल किया।

जनसंपर्क व एनएसटी का विजयी आगाज

30वां डिजिआना-आईईएस इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के ओल्ड कैम्पियन मैदान पर भोपाल खेल पत्रकार संघ द्वारा आयोजित 30वें डिजिआना-आईईएस इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में जनसंपर्क और एनएसटी की टीम ने जीत दर्ज की। दिन के पहले मुकाबले में एनएसटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 5 विकेट खोकर 95 रन बनाए। जावेद ने 28, इंद्रजीत ने 15 और मनीष शुक्ला ने 20 रन बनाए। अटल प्रदेश न्यूज की ओर से नवल ने 2 विकेट लिए। जवाब में अटल प्रदेश की टीम 18 ओवर में 9 विकेट खोकर 87 रन ही बना पाई। विक्रमादित्य ने 22 और अकबर ने 26 रनों की पारी खेली। एनएसटी की ओर से नीरज ने 2 ओवर में 3 रन देकर 3 विकेट लिए। नीरज को मानरोवर मैन आफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। वहीं रामेश्वर ने 3 विकेट लिए। उन्हें आरएनटीयू वैल्यूवल प्लेयर का अवार्ड दिया गया। अरेरा क्रिकेट अकादमी के चीफ कोच सुरेश चैनानी ने अवार्ड बांटे। इस अवसर पर सेंट माइकल के कोच गुफरान और समद दाद उपस्थित थे। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में विस्तार न्यूज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 8 विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में जनसंपर्क की टीम ने इस लक्ष्य को 14.5 ओवर में 2 विकेट खोकर प्राप्त कर लिए।

अब ग्राहक सिर्फ जरूरी एसएमएस रिसीव करने का विकल्प चुन सकेंगे

टेलीकॉम: ट्राई इसी महीने एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा, जिससे लोगों को व्यावसायिक और विज्ञापन वाले एसएमएस से पूरी तरह छुटकारा मिलेगा

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार नियामक ट्राइ इस माह पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत ग्राहकों को अनचाहे एसएमएस (व्यावसायिक और विज्ञापन वाले संदेशों) से पूरी तरह छुटकारा मिलेगा। ट्राई ने सभी दूरसंचार कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे ग्राहकों को अधिक प्रभावी डू-नॉट-डिस्टर्ब (डीएनडी) सेवा प्रदान करें। इस सुविधा के तहत लोगों को अपनी पसंद के अनुसार केवल आवश्यक एसएमएस प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। ट्राइ अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा, स्पैम संदेश पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम और टेलीमार्केटर्स के लिए नई जांच प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

डीएलटी प्लेटफॉर्म शुरू: अनिल कुमार लाहोटी ने बताया कि डिजिटल वितरण लेजर तकनीक (डीएलटी) प्लेटफॉर्म शुरू किया गया, जहां सभी प्रमुख संस्थाओं (पीई) जैसे बैंकों, वित्तयी संस्थाओं, कारोबारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ उनके टेलीमार्केटर्स (टीएम) को जोड़ा गया है। इनके लिए डीएलटी पर पंजीकरण आवश्यक है। मोबाइल उपभोक्ताओं को संदेश भेजने के लिए उनकी डिजिटल या कागजी सहमति भी जरूरी है। हालांकि इसमें चुनौती यह है कि ग्राहकों की कागजी सहमति को डीएलटी पर कैसे लाया जाए, क्योंकि आप इसे पूरी तरह त्याग नहीं सकते। ट्राइ ने कहा कि डीएलटी मंच ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है, जहां सभी कंपनियों को एसएमएस भेजने वाले संचरण प्रक्रिया की घोषणा करनी होगी। इससे हर संदेश को आसानी से ट्रैक कर पाना संभव हो सकेगा। इससे डेटा सुरक्षा से समझौता या एसएमएस वितरण में देरी किए बिना पता लगाया जा सकेगा कि संदेश कहां से भेजा गया है और किसे डिलीवर हुआ है। इसके साथ ही इस तकनीक से हर संदेश की वैधता जांची जाएगी और जो संदेश मान्य नहीं होंगे, उन्हें डिलीवर होने से पहले ही ब्लॉक कर दिया जाएगा। वर्तमान में यदि उपभोक्ता को किसी विशेष सेवा प्रदाता या विक्रेता से एसएमएस या कॉल प्राप्त होता है और ग्राहक यह शिकायत करते हैं कि यह स्पैम है तो इस पर कंपनियों का तर्क होता है कि उनके पास कागज पर इस विशेष ग्राहक की सहमति है। यह रिकॉर्ड केवल कागज पर है, ऑनलाइन सिस्टम में नहीं। इसलिए हमने ऐसी प्रणाली बनाई है, जहां ग्राहक की पिछली सहमतियां डीएलटी मंच पर आ जाएं। इसके बाद लोग चाहें तो पुरानी सहमति वापस ले सकते हैं। वहीं, ट्राइ ने हाल ही में लागू किए गए उस नियम पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जुनैद ने दिया था 'लापता लेडीज' का ऑडिशन लेकिन उनकी जगह स्पर्श को लिया

आमिर खान के बेटे जुनैद ने 2024 की फिल्म महाराज से एक्टिंग करियर की शुरुआत की है। हालांकि जुनैद की मानें तो इससे पहले वो लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाले थे। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई थी, लेकिन बाद में उन्हें हटा दिया गया। इसी तरह किरण राव के कहने पर उनकी जगह फिल्म लापता लेडीज में स्पर्श श्रीवास्तव को कास्ट किया गया था। हाल ही में विक्की लालवानी को दिए एक इंटरव्यू में जुनैद खान ने लापता लेडीज और लाल सिंह चड्ढा में नजर न आ पाने की कारण बताया। उन्होंने कहा, आप मुझे मुमकिन तौर पर लाल सिंह चड्ढा में देख सकते थे। मैंने उसका ऑडीशन दिया था। किरण राव उस समय मेरी मां की भूमिका निभा रही थीं। हमने 4 दिन शूटिंग की थी और 20 मिनट का हिस्सा शूट कर लिया था। पापा (आमिर खान) देखना चाहते थे कि मटेरियल से डील कैसे करता हूं। लेकिन बात नहीं बनी। दरअसल, एक नए इंसान को लेने के लिहाज से ये एक बड़े बजट की फिल्म थी। आगे जुनैद ने लापता लेडीज में काम न कर पाने पर कहा, लापता लेडीज के साथ बात एकदम अलग थी। मैंने फिल्म के लिए ऑडीशन दिया था, लेकिन किरण ने कहा कि स्पर्श श्रीवास्तव उस पार्ट के लिए ज्यादा बेहतर है और मैं उनकी बात से सहमत था। जुनैद खान के अलावा आमिर खान ने भी लापता लेडीज के लिए ऑडीशन दिया था। वो फिल्म में पुलिस वाले का रोल करने वाले थे। लेकिन किरण राव ने उस रोल में रवि किशन को कास्ट किया था। द वीक को दिए एक इंटरव्यू में किरण राव ने बताया था, 'आमिर और मैंने इस किरदार पर बहुत लंबा डिस्कशन किया था। मैं चाहती थी कि मनोहर के किरदार को आमिर ही निभाएं। आमिर ने इस रोल के लिए ऑडिशन भी दिया था जो कमाल का था पर जब मैंने उन्हें इसी रोल के लिए रवि किशन का ऑडिशन टेप दिखाया तो आमिर ने खुद कहा कि यह रोल रवि किशन पर ज्यादा सूट कर रहा है।'

आलिया और वरूण को लेकर राम बोले- आज की पीढ़ी काम को लेकर सीरियस है

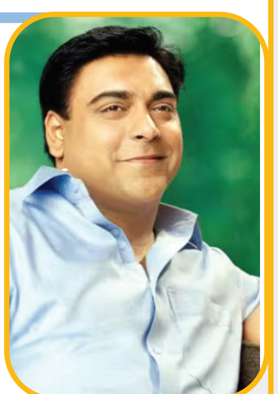

टीवी एक्टर राम कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में आज के एक्टर्स की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आलिया भट्ट और वरुण धवन जैसे स्टार्स अपने काम के प्रति बेहद प्रोफेशनल हैं। राम कपूर ने यह भी बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब एक एक्टर ने स्विट्ज़रलैंड में कास्ट और क्रू को दो दिन तक इंतजार कराया था, जो उनके लिए एक खराब अनुभव था। राम कपूर ने कहा 'इंडस्ट्री में पहले आप अगर खराब व्यवहार भी करते थे तो स्टार बन सकते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं हो सकता। वरुण धवन, आलिया भट्ट, अभिषेक बच्चन... ये सभी प्रोफेशनल हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें ऐसा होना पड़ेगा। आलिया जहां है, वह इसलिए क्योंकि वह इतनी प्रोफेशनल हैं कि आप चौंक जाएंगे। ये सभी सेट पर पूरी तैयारी के साथ आते हैं। वे डायरेक्टर से पूछते हैं, सर, आप क्या चाहते हैं? आजकल यही इंडस्ट्री है—क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं कर सकते, तो बाहर हो जाओ।' राम कपूर ने कहा, 'बॉलीवुड में जो आज सुपरस्टार्स हैं, वे सभी बेहद प्रोफेशनल तरीके से काम करते हैं। लेकिन जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। पहले कई एक्टर्स खुद को स्टार मानते थे।' सलमान खान के काम करने के तरीके के बारे में राम कपूर ने कहा, 'मैंने सलमान को पार्टी करते हुए देखा है, लेकिन जब फिल्म की तैयारी की बात आती है, तो वह बहुत मेहनत करते हैं। वह रात 12 बजे तक शूटिंग करते हैं और फिर 1 बजे घर आते हैं। 3 बजे तक वर्कआउट करते हैं। वह बहुत प्रोफेशनल हैं।' बता दें, राम कपूर टीवी के कई शोज में काम किया है। वह कसम से, बड़े अच्छे लगते हैं, कर ले तू भी मोहब्बत, दिल की बातें दिल ही जाने, घर मंदिर, कभी आए ना जुदाई में नजर आ चुके हैं।

सुनीता बोलीं- बेटी टीना ने इंडस्ट्री नहीं छोड़ी है यहां बस एक ही ग्रुप को काम मिलता है...

गोविंदा की पत्नी सुनिता आहूजा ने हाल ही में अपनी बेटी टीना आहूजा के फिल्मी करियर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह मानते हैं कि टीना ने इंडस्ट्री छोड़ दी है, लेकिन ऐसा नहीं है। जब अच्छे मौके नहीं मिलते, तो वह कैसे काम करेंगी? इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोगों को यह लगता था कि अगर टीना काम करेंगी, तो गोविंदा सेट पर आकर सबको डाटेंगे। एक इंटरव्यू में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने कहा, हाल ही में अफवाहें थीं कि टीना ने बॉलीवुड छोड़ दिया है। मुझे नहीं पता कि लोग ऐसा क्यों सोचते हैं। इंडस्ट्री का बच्चा आखिर क्यों इंडस्ट्री को छोड़ेगा? वह सिर्फ अच्छा काम मिलने का इंतजार कर रही है। अगर उसे अच्छा काम मिलेगा, तो वह क्यों नहीं करेगी? आप लोग उसे काम करने का मौका दीजिए। सुनीता ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म की आलोचना की और कहा कि काम सिर्फ एक खास ग्रुप के स्टार किड्स को ही मिलता है। उन्होंने कहा, 'नेपोटिज्म बंद करो, दूसरों को भी काम करने का मौका दो। एक ही ग्रुप में सबको काम मिल रहा है, जबकि बाहर भी लोग हैं। टीना अब भी काम करने के लिए तैयार है। उसे काम करने का बहुत शौक है। एक ही एक्टर को बार-बार क्यों दिखाओ?' सुनीता की मानें तो लोगों को यह भी लगता है कि अगर टीना फिल्मों में काम करेंगी तो उनके पिता गोविंदा सेट पर आकर गाली-गलौज करेंगे, क्योंकि वह एक सख्त पिता है। बता दें, टीना आहूजा ने 2015 में फिल्म सेकंड हैंड हसबैंड से बॉलीवुड में कदम रखा था। गोविंदा के बेटे यश जल्द करेंगे अपना डेब्यूः गोविंदा के बेटे यश इस साल एक लव स्टोरी के साथ एक्टिंग में डेब्यू करने जा रहे हैं। ऐसे में सुनीता से पूछा गया कि क्या लोग उनके बच्चों की तुलना गोविंदा से करते हैं। इस पर सुनीता ने कहा, नहीं, नहीं। मैंने अपने बेटे को सिखाया है कि वह अपने पिता की नकल न करे। अपना खुद का स्टाइल बनाओ, अपनी एक्टिंग और डांसिंग करो। मैं नहीं चाहती कि लोग तुम्हारी तुलना गोविंदा से करें। मुझे पता है कि लोग तुलना करेंगे, लेकिन गोविंदा का 90ह्य का स्टाइल था, और यश का 2025 का स्टाइल होगा।

ट्रैफिक पुलिस 31 तक मनाएगी सड़क सुरक्षा माह

डीसीपी कार्यालय से निकली हेलमेट जागरूकता रैली ट्रैफिक अधिकारियों ने दिलाई नियम पालन की शपथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सु रक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है. इसमें (परवाह) की थीम पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इसके अन्तर्गत दोपहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से धारण करने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया. रैली का शुभारंभ डीसीपी ट्रैफिक संजय सिंह ने किया।

यह जागरूकता रैली पुलिस उपायुक्त कार्यालय से प्रारम्भ होकर रोशनपुरा, अपेक्स, बैंक, लिंक रोड नंबर एक, व्यापमं चौराहा, बोर्ड ऑफिस चौराहा, थाना एमपी नगर चौराहा से थाना यातायात पहुंचकर समाप्त हुई। उक्त वाहन रैली में 100 यातायात पुलिसकर्मी शामिल हुए. इसी क्रम में बॉनसन इंस्टीट्यूट में ऑफ इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षणरत प्रशिक्षकों को यातायात नियमों के पालन के लिए सहायक पुलिस आयुक्त विजय दुबे एवं मिलन जैन ने यातायात पुलिस की एजुकेशन टीम के तरफ से प्रशिक्षित किया और यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलवाई।

131 वाहन चालकों पर कार्रवाई सड़क सुरक्षा माह में प्रदत्त निर्देशों के अनुरूप भोपाल शहर के प्रमुख चौराहों-तिराहों पर आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के बिना हेलमेट के 55, बिना सीटबेल्ट के 23 सहित अन्य कुल 131 उल्लंघनकर्ता वाहन चालकों के चालान बनाए गए. ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि वह वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें और किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात थाने के दूरभाष नंबर 0755-2677340 अथवा 2443850 पर संपर्क कर सकते हैं।

शहर के अंदर नहीं जलाएं हाई बीम लाईट कोहरे के दौरान अधिकांश वाहन चालक हाई बीम लाइट जलाकर चलते हैं., यातायात पुलिस ने इसको लेकर एडवाइजरी जारी की है, ताकि वाहन दुर्घटनाओं से बचा जा सके. पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए सुझाव दिया है कि शहर के अंदर हाई बीम लाइट का उपयोग नहीं करें।

इसके उपयोग हाइवे पर वाहन चलाते समय किया जा सकता है. रात के समय वाहन चलाते समय लाइट लीवर को ऊपर नीचे करके आवश्यक रूप से चैक कर लें, जिससे उसके ठीकठाक काम करने का पता चल सके. कोहरे की अवस्था में हमेश लो बीम लाइट का ही उपयोग किया जाना चाहिए. कंपनी के अवाला नहीं लगाएं दूसरी लाइट पुलिस का सुझाव है कि वाहन में कंपनी द्वारा प्रदस्त लाइट के अतिरिक्त लाइट नहीं लगवानी चाहिए।

किसी भी प्रकार की चमकदार एलईडी लाइट से बचना चाहिए. सड़क पर होने वाले गड्ढों पर नजर रखने के लिए बंपर में लगी लो बीम लाइट का उपयोग किया जा सकता है. वाहन चलाते समय सामने से आ रहे वाहन की हेड लाइट हाई बीम पर हो तो उसे आप अपने लाइट लीवर की मदद से इशारा कर सकते हैं, ताकि अनजाने में हो रही भूल को दूसरा वाहन चालक सुधार सके।

सूने मकान से हजारों के जेवरात चोरी

भोपाल। कोहेफिजा स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर हजारों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए. पुलिस के मुताबिक हरिओम वर्मा (29) मूलत-इछावर जिला सीहोर के रहने वाले हैं. फिलहाल वह ओम शिवनगर लालघाटी कोहेफिजा में रहते हैं और एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं. पिछले दिनों वह परिवार के साथ गौतम नगर स्थित अस्पताल गए थे और रात को वहीं पर रुक गए. अगले दिन सुबह सामने रहने वाले परिवार ने उनके घर का ताला टूटा होने की सूचना दी. हरिओम घर पहुंचे तो अलमारी का लॉक भी टूटा मिला और पूरा सामान बिखरा पड़ा था. चैक करने पर अलमारी में रखे रखे पुराने इस्तेमाली चांदी की दो जोड़ पायल, बिछिया, बच्चे की छोटी चांदी की पायल, हाथ के कड़े व गले की चैन नहीं थी. बदमाश हजारों रुपये के जेवरात चोरी कर गायब हो चुके थे।

बुजुर्ग ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा में रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. उनके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह दमा और सांस की बीमारी से परेशान चल रहे थे. जानकारी के अनुसार बाबूलाल बाथम (61) चेतक ब्रिज के पास, गौतम नगर में रहते थे. वह मध्यप्रदेश डेवलपमेंट कारपोरेशन में नौकरी करते थे. उनके फ्लैट के ऊपर वाला फ्लैट खाली है, जिसमें उन्होंने अपना स्टोर रूम बना रखा था. सोमवार सुबह बाबूलाल स्टोर रूम पहुंचे और फांसी लगा ली. सुबह करीब साढ़े नौ बजे परिजनों की नजर पड़ी तो उन्हें फंदे से उतारकर इलाज के लिए एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है. मामले की जांच की जा रही है. इसी थानांतर्गत बरखेड़ा में रहने वाले सीताराम (70) की बीमारी के चलते मौत हो गई।

जेल से छूटने के बाद करने लगा युवती को परेशान

भोपाल। बलात्कार के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया एक युवक बाहर आते ही दोबारा से युवती को परेशान करने लगा. उसके खिलाफ तीन महीने पहले ही पीड़िता ने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. जमानत पर आने के बाद वह युवती को गंदे मैसेज भेज रहा था. आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 21 वर्षीय युवती कालेज में पढ़ती है. करीब चार साल पहले स्कूल टाइम में उसकी पहचान दिव्यांशु कुमार से हुई थी. दिव्यांशु इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है. एक दिन वह छात्रा से मिलने उसके घर पहुंचा और अकेला पाकर दुष्कर्म किया. छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो उसने जल्द ही शादी करने का वादा कर लिया. पिछले साल सितंबर के महीने में जब उसने शादी करने से इंकार कर दिया तो पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया था।

कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में एक कार चालक ने स्कूटर और कार को टक्कर मार दी. इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन दोनों वाहनों को नुकसान पहुंचा है. पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है. पुलिस के मुताबिक शुभम यादव (29) नयापुरा लालघाटी कोहेफिजा में रहते हैं और लालघाटी चौराहे के पास होटल चलाते हैं. रविवार की रात करीब पौने एक बजे वह होटल बंद कर स्कूटर से घर लौट रहे थे. शुभम तोप तिराहा के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक कार के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी. इसके साथ ही उसने नित्यश्रेष्ठ अग्रवाल की कार में भी टक्कर मारी. इस हादसे में दोनों लोगों को चोट नहीं आई, लेकिन स्कूटर और कार को नुकसान पहुंचा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. गेट से टकराकर घायल हुआ युवक ऐशबाग इलाके में कार के गेट से टकराकर एक युवक घायल हो गया. पुलिस के मुताबिक आदित्य खंडेलवाल अपने दोस्तों के साथ सामान लेने के लिए गोविंद गार्डन जा रहा था. तीनों रायल इनफील्ड बुलेट पर सवार थे. वह गोविंद अपार्टमेंट के सामने पहुंचे तो एक व्यक्ति लापरवाही से अपनी कार को रिवर्स कर रहा था. आदित्य ने साइड से बाइक निकालने का प्रयास किया, तभी चालक ने अचानक बाएं तरफ का गेट खोल दिया, जिससे आदित्य बाइक समेत टकराकर गिर गया. उसके हाथ-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई, जबकि साथ बैठे दोनों दोस्तों को चोट नहीं लगी. पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में रहने वाली एक महिला के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया है. पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 24 वर्षीय महिला घरेलू काम करती है, जबकि उसका पति ठेला लगाता है. आरोपी पवन गोस्वामी महिलाओं को समूह लोन दिलवाने का काम करता है।

कुछ साल पहले महिला की पवन से लोन दिलाने की बात को लेकर पहचान हुई थी. उस दौरान पवन ने महिला से उसके दस्तावेज लिए थे. दस्तावेजों के साथ महिला का मोबाइल नंबर पवन को मिल गया था, इसलिए वह उसे मैसेज किया करता था।

पिछले साल 28 नवंबर को महिला घर पर अकेली थी, जबकि उसका पति काम पर गया हुआ था. इसी दौरान पवन महिला के घर पहुंचा और जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया. उसने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी, जिसके कारण महिला चुप रही. पिछले दिनों पवन ने जब दोबारा से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला तो पीड़िता ने घटना की जानकारी पति को दी. सोमवार को पति उसे लेकर थाने पहुंचा, जहां पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

पुराने विवाद पर दो पक्षों के बीच चाकूबाजी

भोपाल। ऐशबाग इलाके में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच चाकूबाजी हो गई. पुलिस ने इस मामले में काउंटर केस दर्ज किया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं. पुलिस के मुताबिक मोहित बेलवाल (23) मराठी मोहल्ला ऐशबाग में रहता है और प्रायवेट काम करता है. उसी मोहल्ले में रहने वाला मोनू अहिरवार भी प्रायवेट काम करता है. रविवार की रात करीब दस बजे दोनों मंदिर के पास बैठकर बातचीत कर रहे थे. इसी दौरान पुरानी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया. इस पर मोनू अहिरवार ने छुरी निकालकर मोहित पर प्राणघातक हमला कर दिया और भाग निकला. उसके बाद मोहित के साथियों ने उसके भाई सोनू अहिरवार पर चाकूछुरी से हमला कर दिया. पुलिस ने मोहित की रिपोर्ट पर मोनू अहिरवार और सोनू अहिरवार की रिपोर्ट पर मोहित, गोरा और रोहित के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

रेल पटरी पर मिला अधेड का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग पुलिस ने रेलवे पटरी से एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया. उनकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से होना बतायी गई है. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

जानकारी के अनुसार तेज कुमार जैन (52) नेमा चौराहे के पास अशोका गार्डन में रहते थे. वह पहले पान मसाला का व्यवसाय करते थे, लेकिन फिलहाल घर पर ही रह रहे थे. सोमवार सुबह वह दूध लेने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे. उनकी तलाश करते हुए परिजन सुभाष नगर रेलवे फाटक के पास पहुंचे तो पटरी पर भीड़भाड़ दिखी।

मौके पर जाकर देखा गया तो तेज कुमार का शव पड़ा हुआ था. इसी इलाके में एक अन्य व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक वाहिद अली (59) गल्ला मंडी के पास जहांगीराबाद में रहते थे और पन्नी बीनने का काम करते थे।

सोमवार रात पटरी पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां देर रात उनकी मौत हो गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अशोका गार्डन में युवक की लाश बरामद

भोपाल। अशोका गार्डन पुलिस ने मंगलवार दोपहर एकतापुरी ग्राउंड से एक युवक की लाश बरामद की. शार्ट पोस्टमार्टम में मृतक के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं. पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब बारह बजे सूचना मिली कि एकतापुरी ग्राउंड पर झाड़ियों के पास किसी व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा बनाया और पीएम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान हर्ष राठौर (35) निवासी विजय नगर चांदबड़ के रूप में हुई. परिजनों ने पुलिस को बताया कि हर्ष नशे करता था. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इधर कोलार थानांतर्गत ग्राम थुआखेड़ा में रहने वाले मुबारक अंसारी की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई. उन्हें एक्सीडेंट में घायल होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों में हो रही वारदातें

सफर के दौरान यात्रियों का हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सफर के दौरान यात्रियों का सामान चोरी होने का सिलसिला जारी है. पिछले चौबीस घंटे के दौरान करीब आधा दर्जन यात्रियों के मोबाइल फोन, पर्स और बैग समेत अन्य सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार शहडोल निवासी मुकेश कुमार दीक्षित भोपाल से घर जा रहे थे. अमरकंटक एक्सप्रेस में चढ़ने के बाद देखा कि जेब में रखा पर्स गया है।

चोरी गए पर्स में साढ़े पांच हजार रुपए नकद, ड्रायविंग लाईसेंस, आधारकार्ड, पेनकार्ड, वाहन का रजिस्ट्रेशन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे. इसी प्रकार कोलकाता निवासी एम. विश्वास सोमनाथ एक्सप्रेस में उज्जैन से जबलपुर की यात्रा कर रही थीं।

उन्होंने अपनी लेडीज पर्स सिरहाने रखा हुआ था. भोपाल स्टेशन पहुंचने पर देखा तो पर्स गायब था. पर्स के अंदर 4 हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन समेत करीब 24 हजार का सामान रखा हुआ था. इसी प्रकार उज्जैन से पटना की यात्रा कर रही आभा जलान का एक पर्स चोरी हो गया. चोरी गए पर्स में चांदी के जेवरात और नकद रुपए रखे हुए थे. इसी प्रकार अहमदाबाद से पटना की यात्रा कर रहे जगन्नाथ की सीट के नीचे रखा बैग चोरी हो गया।

चोरी गए बैग में ओरिजनल सर्टिफिकेट, तीन हजार रुपये नकदी और कपड़े समेत करीब 7 हजार का सामान रखा हुआ था।

महिला का ट्राली और पिट्ठू बैग चोरी अहमदाबाद से कटना की यात्रा कर रही एक महिला पप्पी जायसवाल का ट्रॉली और पिट्ठू बैग चोरी चला गया. घटना संत हिरदाराम नगर स्टेशन के आसपास हुई।

बैगों के अंदर कपड़े समेत करीब 30 हजार का सामान रखा हुआ था।

इसी प्रकार सागर निवासी नितिन यादव राज्यरानी एक्सप्रेस में भोपाल से सागर की यात्रा कर रहे थे. भोपाल स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद देखा तो उनकी जेब में रखा मोबाइल फोन गायब था. चोरी गए मोबाइल की कीमत 15 हजार रुपए बताई गई है. इसी प्रकार जंघई से मुंबई की यात्रा कर रहे एक युवक की जेब से 18 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी चला गया।

सड़क निर्माण करा रहे ठेकेदार से मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार इलाके में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में लगे एक ठेकेदार के साथ निजी कंपनी के कर्मचारियों ने मारपीट कर दी. उनके बाच चैंबर के ढक्कन हटने को लेकर विवाद होना बताया जा रहा है. पुलिस ने मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार जानकी नगर चूनाभट्टी निवासी महेश नरवानी (52) ठेकदारी करते हैं. इन दिनों कोलार रोड स्थित बिरसा हाईट्स के पास फोर लेन सड़क निर्माण का काम चल रहा है. इस इलाके में निजी टेलीकॉम कंपनी की केबल लाइन डाली गई है, जिसके चैंबर बने हुए हैं. मंगलवार दोपहर निर्माण कार्य के चलते टेलीकॉम कंपनी के चैंबर बाधक बन रहे थे, इसलिए ठेकेदार महेश ने चैंबर को ढक्कनों को हटवा दिया।

इसको लेकर टेलीकाम कंपनी के कर्मचारियों के साथ उनका विवाद हो गया. मामूली बहसबाजी के साथ शुरू हुआ यह विवाद झगड़े में बदल गया. उसके बाद कंपनी के करीब आधा दर्जन कर्मचारियों ने ठेकेदार के साथ जमकर मारपीट कर दी. जब तक कर्मचारी उन्हें बचाने पहुंचते, उसके पहले मारपीट करने वाले वहां से भाग निकले. पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार की रिपोर्ट पर परवेश अहिरवार, बृजेश लोधी, अनिल पाडे और अन्य साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022